डाक पंजिकृत ए/बी 123/21.23

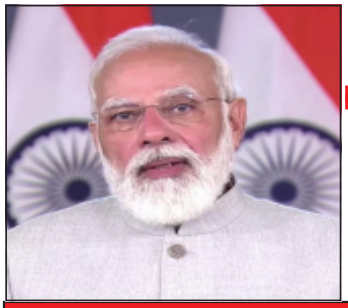

झुग्गी झोपड़ी

हिन्दी दैनिक प्रयागराज से प्रकाशित हम बनेंगे आपकी आवाज

Website : www.jhuggijhopri.com www.jjnews.in प्रयागराज,बुद्धवार 15 मार्च,2023 वर्ष—07 / अंक—295 प्रष्ठ—08 / मूल्य—2 रूपये

इंडिया टुडे कॉन्क्लेव को संबोधित करेंगे पीएम मोदी,

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी नई दिल्ली में 17–18 मार्च को होने वाले इंडिया टुडे कॉन्क्लेव को संबोधित करेंगे. इंडिया टुडे कॉन्क्लेव का यह 20वां संस्करण है. यह पहला मौका नहीं है, जब पीएम मोदी इस कार्यक्रम में शामिल होने जा रहे हैं. इससे पहले 2019 में कोरोना काल से पहले पीएम मोदी ने कॉन्क्लेव को संबोधित किया था. हालांकि, तब से अब तक काफी कुछ बदल गया है.

पीएम मोदी को दुनिया के सबसे प्रभावशाली नेताओं में से एक माना जाता है. इंडिया टुडे कॉन्क्लेव में पीएम मोदी का यह संबोधन ऐसे वक्त पर होने जा रहा है, तब एक ओर दुनियाभर में आर्थिक और भू राजनीतिक उथल—पुथल जारी है. वहीं दूसरी ओर भारत में अगले साल लोकसभा चुनाव होना है. कोरोना काल के बाद से दुनियाभर आर्थिक संकट से जूझ रही है. वहीं, भारत इन चुनौतियों से मजबूती से उभरा है और दुनिया के लिए आशा की किरण बनकर सामने आ रहा है. 2023 में भारत ने दुनिया में केंद्र का स्थान लिया है. भारत इस साल G20 शिखर सम्मेलन की भी मेजबानी कर रहा है. यह स्वच्छ ऊर्जा और आर्थिक सुधार पर केंद्रित है. इंडिया टुडे ग्रुप की वाइस चेयरपर्सन कली पुरी के मुताबिक, कॉन्क्लेव में पीएम मोदी का संबोधन उनकी नेतृत्व रणनीतियों को निर्धारित करने वाला होगा.

अनुराग ठाकुर ने राहुल पर लगाया देश को बदनाम करने का आरोप

ब्रिटेन के कार्यक्रमों में राहुल के बयानों से देश में बवाल मचा हुआ है। भाजपा कांग्रेस और राहुल गांधी पर देश को बदनाम करने का लगा रही है। वहीं कांग्रेस भी सोशल मीडिया और प्रेस कांफ्रेंस के माध्यम से केंद्र सरकार पर पलटवार करने में कोई कसर नहीं छोड़ रही है। वहीं केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने मंगलवार को राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए उनपर दुनियाभर में भारत को बदनाम करने का आरोप लगाया।

देश की सीमा पर तैनात जवानों से माफी मांगनी चाहिए

केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर कहा कि कांग्रेस के समय मीडिया को बंद करने का काम हुआ और देश से बाहर जाकर भारत को दुनियाभर में बदनाम करने का काम करते हो। आगे कहा कि राहुल गांधी को देश वापस आकर सदन में सांसदों से, देश से माफी मांगनी चाहिए। वहीं देश की सीमा पर तैनात सेना के जवानों से माफी मांगनी चाहिए साथ ही उनको देश की महिलाओं, मजदूरों से माफी मांगनी चाहिए। आगे अनुराग ठाकुर ने कहा कि देश का मजदूर अपने खून पसीना बहाकर देश को सींचता है और देश को आगे बढ़ाता है, जिसके चरण धोकर पीएम मोदी उनका सम्मान करते हैं। और आप दुनिया के देशों में जाकर भारत का अपमान करने में लगते हैं। उन्होंने कहा कि टेरर–फंडिंग मामलों की जांच करने वाले संगठन अब कांग्रेस के भ्रष्टाचार मॉडल पर केस स्टडी कर रहे हैं।

गिरफ्तारी के बाद शांतनु-कुंतल को TMC ने दिखाया बाहर का रास्ता

शिक्षक भर्ती मामले में टीएमसी की युवा शाखा के नेताओं शांतनु बनर्जी और कुंतल घोष की गिरफ्तारी के बाद अब पार्टी ने भी उनसे किनारा कर लिया है। मंगलवार को एक प्रेस कांफ्रेंस करके टीएमसी के वरिष्ठ नेताओं और राज्य के मंत्रियों शशि पांजा और ब्रत्य बसु ने दोनों नेताओं को पार्टी से निकालने का एलान किया। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि टीएमसी का किसी भी घोटाले से कोई संबंध नहीं है। शशि पांजा ने इस दौरान कहा कि अगर कोई अपने हित साधने के लिए अपनी पार्टी के पद का दुरुपयोग करता है, तो उन्हें जवाब देना होगा। ऐसे में पार्टी ने कुंतल घोष और शांतनु बनर्जी को निष्कासित करने का फैसला किया है। गौरतलब है कि शिक्षक भर्ती घोटाले में कथित संलिप्तता के आरोप में शांतनु बनर्जी को पिछले हफ्ते प्रवर्तन निदेशालय ने गिरफ्तार किया था। वहीं कुंतल घोष की गिरफ्तारी फरवरी में हुई थी। सीबीआई के अनुसार, 2014 और 2021 के बीच पूरे पश्चिम बंगाल में सरकारी स्कूलों में शिक्षकों और कर्मचारियों को नियुक्त करने के लिए टीएमसी नेताओं द्वारा कथित तौर पर 100 करोड़ रुपये से अधिक की राशि जुटाई गई थी। बंगाल के निजी संचालित कॉलेजों और संस्थानों के संघ के अध्यक्ष तपस मंडल ने सीबीआई द्वारा पूछताछ के दौरान कुंतल घोष पर नौकरी चाहने वालों से पैसे उगाहने का आरोप लगाया था। पिछले साल जुलाई में टीएमसी के वरिष्ठ नेता और मंत्री पार्थ चटर्जी को ईडी ने स्कूल भर्ती घोटाले में गिरफ्तार किया था। जिससे ममता बनर्जी सरकार विपक्ष के निशाने पर आ गई थी। हालांकि बाद में टीएमसी ने जल्दी से उन्हें बाहर का रास्ता दिखा दिया, पहले उन्हें राज्य मंत्रिमंडल से हटा दिया और फिर उन्हें पार्टी से निलंबित कर दिया। सीबीआई को पिछले साल मई में 2014 और 2021 के बीच पश्चिम बंगाल स्कूल सेवा आयोग (एसएससी) और पश्चिम बंगाल माध्यमिक शिक्षा बोर्ड द्वारा गैर–शिक्षण कर्मचारियों (ग्रुप सी और डी) और शिक्षण कर्मचारियों की नियुक्ति की जांच करने का निर्देश दिया गया था।

अमन सिंह यादव ने पोलवाट प्रतियोगिता में गोल्ड मेडल जीत कर लहराया परचम

मऊआइमा, प्रयागराज। कहते हैं कि कठिन परिश्रम वह चाबी है जो किस्मत के बंद दरवाजे को खोल देती है सच्चे लगन धैर्य और मेहनत के बल पर कोच घनश्याम के मार्गदर्शन में अमन सिंह यादव ने पोलवाट प्रतियोगिता 4.30 मीटर ऊंची छलांग लगाकर एक नया कीर्तिमान स्थापित कर मुख्य प्रशिक्षक संजय गणनायक व पोलवाट प्रशिक्षक घनश्याम यादव को किया गौरवान्वित। आइए हम बात करते हैं म ऊआइमा विकास खंड के सहबाजपुर, सकरामऊ गांव निवासी पृथ्वीपाल यादव के लाल ने देश में नई मिसाल कायम कर भारत के गौरव को बढ़ाया। पिता की सच्ची लगन, व माता उर्मिला देवी की सच्ची प्रेरणा से कोच घनश्याम यादव के मार्गदर्शन में 18 वीं राष्ट्रीय युवा एथलेटिक चौंपियनशिप में 10 मार्च से 12 मार्च को कर्नाटक के मिली ग्राम जिला इसटेडियम में आयोजित प्रतियोगिता में अमन सिंह यादव ने गोल्ड मेडल जीत कर प्रयागराज जिले का गौरव बढ़ाया। भोपाल स्थित तात्या तात्या टोपे स्टेडियम टीटी नगर में कोच घनश्याम के मार्गदर्शन में अमन प्रशिक्षण ले रहा है अमन सिंह यादव के प्रतिभा को दिनों दिन निखारने का कार्य पोलवाट प्रशिक्षक घनश्याम यादव द्वारा किया जा रहा है। खिलाड़ी से कोच बने घनश्याम यादव को देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, मुख्यमंत्री, राज्यपाल, केन्द्रीय खेल मंत्री सहित देश की तमाम हस्तियां सम्मानित कर चुके हैं।

अमन सिंह यादव की इस उपलब्धि पर संसद केसरी देवी पटेल, एम यल सी सुरेंद्र चौधरी, ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि इन्तिहान शमी, एम एल सी प्रदेशीय महामंत्री धजिला पासवान, प्रधान संघ अध्यक्ष तीरथ यादव जिला पंचायत सदस्य हिंदू अभिषेक यादव सहित दर्जनों प्रतिनिधियों ने इस उपलब्धि पर बधाई दी।

दिल्ली में विधायक-मंत्रियों की बल्ले बल्ले, 67: बढ़ी सैलरी, मुख्यमंत्री का वेतन 72 हजार से बढ़कर 1.70 लाख हुआ

में विधायकों की सैलरी में 67: की बढ़ोतरी की गई है. अब विधायकों को हर महीने 90 हजार रुपए मिलेंगे. अभी तक विधायकों को 54 हजार रुपए मिलते थे. इसके अलावा मंत्रियों और मुख्यमंत्री के वेतन में भी बढ़ोतरी की गई है. मुख्यमंत्री का वेतन अब बढ़कर 1.70 लाख रुपए प्रति महीने हो गया है. यानी मंत्री और मुख्यमंत्री के वेतन में 136 प्रतिशत की बढ़ोतरी की गई है.

दरअसल, दिल्ली विधानसभा में जुलाई 2022 में विधायकों–मंत्रियों और मुख्यमंत्री की सैलरी में बढ़ोतरी का प्रस्ताव पास किया गया था. अब इस प्रस्ताव को राष्ट्रपति से मंजूरी मिलने के बाद दिल्ली सरकार के लॉ डिपार्टमेंट ने वेतन बढ़ोतरी का नोटिफिकेशन जारी किया है। पहले अब बढ़ोतरी प्रतिशत में विधायक 54000 90000 67: मंत्री–सीएम– स्पीकर–विपक्ष के नेता 72000 1.70 लाख 136: 12 साल बाद बढ़ी सैलरी दिल्ली में 12 साल बाद विधायकों की सैलरी बढ़ी है. 14 फरवरी 2023 से विधायकों को 90 हजार रुपए सैलरी मिलेगी. जबकि, मुख्यमंत्री, मंत्री, स्पीकर और विपक्ष के नेता को 1.72 लाख रुपए मिलेंगे. इनमें से 70 हजार रुपए उन्हें पहले ही मिल जाएंगे. 4 जुलाई 2022 को विधायकों, मंत्रियों और मुख्यमंत्री की सैलरी बढ़ाने को लेकर 5 प्रस्ताव पास किए गए थे. अभी तक विधायकों को बेसिक सैलरी के तौर पर 12000 रुपए मिलते थे. अब यह बढ़ाकर 30 हजार रुपए कर दिया गया. इसके अलावा डीए को 1000 रुपए से बढ़ाकर 1500 रुपए कर दिया गया. नए प्रस्ताव के मुताबिक, अब विधायकों को भत्तों समेत 90 हजार रुपये हर महीने मिलेंगे.भारत में विधायकों को सबसे ज्यादा सैलरी तेलंगाना में मिलती है. यहां सभी भत्तों को मिलाकर हर विधायक को हर महीने 2.5 लाख रुपये मिलते हैं. दिल्ली की आम आदमी पार्टी सरकार ने दिसंबर 2015 में विधायकों की सैलरी बढ़ाने का प्रस्ताव पास किया था. इसमें विधायकों की सैलरी 54 हजार से बढ़ाकर 2.10 लाख महीना करने का प्रस्ताव था, लेकिन इस बिल को केंद्र ने रद्द कर दिया था. इस मामले में भाजपा का कहना था कि 2015 का प्रस्ताव नियमों का उल्लंघन करके पास किया गया था. इस वजह से उसे मंजूरी नहीं मिली. इतना ही नहीं केंद्र ने आप सरकार से प्रस्ताव में कुछ परिवर्तन करने की सलाह भी दी थी।

पुरानी पेंशन को लेकर जिलाधिकारी के माध्यम से मुख्यमंत्री को दिया गया ज्ञापन

जौनपुर। आज दिनांक 13 मार्च 2023 को विशिष्ट बीटीसी शिक्षक वेलफेयर एसोसिएशन उत्तर प्रदेश जनपद जौनपुर के जिला अध्यक्ष राम मूरत यादव के नेतृत्व में एवं समस्त पदाधिकारियों व शिक्षक शिक्षिकाओं की उपस्थिति में मुख्यमंत्री जी को संबोधित ज्ञापन जिलाधिकारी जौनपुर के माध्यम से दिया गया। ज्ञापन में यह कहा गया है कि भारत सरकार के पेंशन मंत्रालय द्वारा दिनांक 3 मार्च 2023 को जारी कार्यालय ज्ञाप(मेमोरेंडम) संख्या 57ए05ए2021 च ई द्वारा नई अंशदाई पेंशन योजना की अधिसूचना दिनांक 22ए12ए2003 से पूर्व विज्ञापित पदों के रिक्तियों के सापेक्ष नियुक्त कर्मियों को दिनांक 1 जनवरी 2004 से पूर्व प्रभावी पुरानी पेंशन योजना से आच्छादित होने का अवसर प्रदान किया गया है। केंद्र सरकार के वेतन धेंशन से संबंधित समस्त प्रक्रियागत आदेश उत्तर प्रदेश में भी समान रूप से लागू होते रहें हैं। उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा अधिसूचना दिनांक 28ए03ए2005 द्वारा नवीन अंशदाई पेंशन योजना दिनांक 1 अप्रैल 2005 से प्रभावी की गई है। अतः भारत सरकार के उपरोक्त कार्यालय मेमोरेंडम दिनांक 3 मार्च 2023 के अनुरूप उत्तर प्रदेश में शासनादेश जारी करने की कृपा करें। जिससे अधिसूचना दिनांक 28 मार्च 2005 से पूर्व अधिसूचित ध्विज्ञापित रिक्तियों के सापेक्ष नियुक्त समस्त शिक्षकोंध्कर्मचारियों को दिनांक 1 अप्रैल 2005 से पूर्व प्रभावी पुरानी पेंशन योजना का लाभ मिल सके।

मोटर दुर्घटना एवं बैंक वादों हेतु आयोजित होगा विशेष लोक अदालत - जिला जज

संतकबीरनगर। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्षध्जिला जज देवेंद्र सिंह ने बताया की दिनांक 25–03–2023 को मोटर दुर्घटना वादों तथा दिनांक 17–03–2023 एवं 18–03–3023 को बैंकों वादों से संबंधित विशेष लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा। पक्षकारों से अपील है की दिनांक 25–03–2023 को मोटर दुर्घटना वादों तथा दिनांक 17–03–2023, 18–03–3023 को बैंकों वादों से संबंधित विशेष लोक अदालत में भाग लेकर अपने वादों को निस्तारित करवाते हुए अमूल्य समय बचाएं। लोक अदालत सुलह समझौते का सबसे उत्तम विकल्प माना जाता है। अधिक जानकारी के लिए कार्यालय जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, न्यायालय परिसर, संत कबीर नगर में संपर्क कर सकते है।

जौनपुर में हुआ बेसिक शिक्षा मंत्री का भव्य स्वागत

जौनपुर। बेसिक शिक्षा विभाग के शिक्षकों ने डायट प्राचार्य डॉ. राकेश सिंह, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी गोरखनाथ पटेल, प्रदेशीय महामन्त्री धजिला अध्यक्ष जौनपुर अनिल यादव, डायट प्रवक्ता डॉ. आर. एन. यादव, डॉ. मनीष सिंह एवं खंड शिक्षा अधिकारी बदलापुर शैलेन्द्र कुमार त्रिपाठी की अगुवाई में जनपद जौनपुर के बदलापुर ब्लॉक की दूरस्थ सीमा पर भव्य स्वागत किया। स्वागत कार्यक्रम में जिला वरिष्ठ उपाध्यक्ष सच्चिदानंद तिवारी, जिला मंत्री डॉ. भानु प्रताप राव, जिला उपाध्यक्ष प्रमोद यादव, बदलापुर ब्लॉक के अध्यक्ष उमेश चंद्र मिश्र, ब्लॉक मंत्री राय साहब यादव, पूर्व माध्यमिक शिक्षक संघ बदलापुर के अध्यक्ष नंद कुमार यादव, मंत्री कैलाश नाथ रजक, प्रधानाध्यापक चंद्र प्रकाश यादव, ए. आर. पी. सत्य नारायण यादव, विनोद यादव, गौरव यादव, निर्मलेंदु, रोहित कुमार सहित सैकड़ों शिक्षक मौजूद रहे। बेसिक शिक्षा मंत्री स्वागत से प्रसन्न हुए एवं बेसिक शिक्षा परिषद को निरंतर प्रगति पर ले जाने के लिए सभी शिक्षकों की प्रशंसा किए।

मीरा रोड न्यायालय में जल्द शुरू होगा कामकाज

महाराष्ट्र सरकार द्वारा 2013 में प्रस्तावित न्यायालय के अधिकांशतः निर्माण कार्य पूर्ण होने पर भी आज तक मीरा भायंदर की जनता को ठाणे जिला न्यायालय जाना पड़ता है। मीरा भयंदर में सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश कृष्ण मुरारी के आगमन पर प्रैक्टिसिंग एडवोकेट्स वेलफेयर एशोसिएशन के प्रेसिडेंट राजकुमार मिश्रा ने अपने संबोधन में इस मुद्दे की मॉंग की,जिसे न्यायाधीश महोदय ने त्वरित मुद्दे पर संज्ञान लेते हुए लिखित पत्र देने के लिए कहा। इस संदर्भ में आज एड राजकुमार मिश्र ने न्यायाधीश महोदय को लिखित पत्र देकर अविलंब मिराारोड में न्यायालय प्रारंभ किए जाने का ज्ञापन सौंपा। इस अवसर पर सुप्रीम कोर्ट के एडवोकेट आन रिकॉर्ड प्रेसिडेंट मनोज कुमार मिश्र विशेष रूप से उपस्थित रहे। सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश कृष्णमुरारी ने आश्वासन दिया है कि इस दिशा में वे विशेष पहल करेंगे, ताकि इस प्रतिष्ठित न्यायालय में जल्द से जल्द काम शुरू हो सके।

जयपुर में केजरीवाल-भगवंत मान ने तिरंगा यात्रा निकाली, राजस्थान में वीरांगनाओं को बेइज्जत किया जा रहाय किसान खुदकुशी कर रहे हैं- केजरीवाल

जयपुर 13.3.23 राजस्थान में आम आदमी पार्टी ने अपनी चुनावी तैयारी का आगाज कर दिया है। सोमवार को आप की ओर से जयपुर में तिरंगा यात्रा निकाली गई। यात्रा में आप संयोजक और दिल्ली सीएम अरविंद केजरीवाल और पंजाब के सीएम भगवंत मान शामिल हुए। अजमेरी गेट पर हुई सभा में केजरीवाल ने कहा– आजादी के बाद से आज तक राजस्थान में 48 साल कांग्रेस और 18 साल बीजेपी ने राज किया है। अब बीजेपी–कांग्रेस यह नहीं कह सकती कि हमें मौका नहीं दिया। राजस्थान का हाल बेहाल है। किसान आत्महत्या कर रहे हैं,पेपर लीक हो रहे हैं। शहीदों की वीरांगनाओं को बेइज्जत किया जा रहा है। साल 1993 से अब तक बीजेपी और कांग्रेस को आपने बारी–बारी मौका दिया और बारी–बारी से दोनों ने राजस्थान को लूटा है। सभा में पंजाब सीएम मान ने कहा कि कांग्रेस और बीजेपी की सफाई के लिए भगवान ने झाड़ू भेजी है। राजस्थान की जनता भी झाड़ू चलाने के लिए तैयार में बैठी है। अब राजस्थान में तीसरा विकल्प आ गया है। उन्होंने कहा कि जब आम आदमी पार्टी बनी थी तो कांग्रेस–बीजेपी वाले केजरीवाल को गाली देते थे। कहते थे की चुनकर आओ। अब हम चुनकर आए है तो कांग्रेस–बीजेपी सड़कों पर आ गई है।मान ने कहा कि किस्मत बदलनी है तो ईवीएम में बटन बदलो। वहीं, आपके बच्चों की किस्मत को बदलने का काम करेगा। डबल इंजन से डबल करप्शन हो रहा है। इसलिए रोक दो डबल इंजन को। हर घर में झाड़ू और केजरीवाल की बात होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि ये लोग शहीदों के कफन बेचकर खा गए।इससे पहले जयपुर एयरपोर्ट पर दिल्ली सीएम अरविंद केजरीवाल ने वीरांगनाओं के मुद्दे पर सरकार पर निशाना साधा। कहा– मुझे बड़ा दुख है कि शहीदों की वीरांगनाओं से बदसलूकी की गई, यह नहीं होना चाहिए था। शहीदों के परिजनों को हम दिल्ली में एक करोड़ रुपए देते हैं। देवर की नौकरी की मांग पर कहा कि वीरांगना के पति ने देश के लिए शहादत दे दी, अब शहीद के परिवार से किसी को तो नौकरी देनी ही है तो इसमें गलत क्या है? केजरीवाल ने कहा– आज से हम शुरुआत कर रहे हैं, आप से अब लगातार मुलाकात होती रहेगी। आम आदमी पार्टी (आप) सभी सीटों पर चुनाव लड़ेगी। इसी वजह से कांग्रेस–बीजेपी डरी हुई है। आज आप की ओर से जयपुर में तिरंगा यात्रा निकाली गई। इसमें केजरीवाल और पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान भी शामिल हुए। तिरंगा यात्रा जयपुर के सांगानेरी गेट से शुरू हुई। जो बापू बाजार, न्यू गेट को पार करते हुए नेहरू बाजार होकर अजमेरी गेट पहुंची। इस दौरान अजमेरी गेट पर जनसभा हुई। आप से राज्यसभा सांसद डॉ. संदीप पाठक ने कहा– राजस्थान को नंबर वन बनाने के लिए तिरंगा यात्रा एक अभियान है। इस अभियान के माध्यम से हम देश के हर कोने में एक सकारात्मक राजनीति की शुरुआत करना चाहते हैं। देश को हम अरविंद केजरीवाल की राजनीति से जोड़ना चाहते हैं। हम राजस्थान में अच्छे स्कूल और अस्पताल बनाने की राजनीति की शुरुआत करना चाहते हैं। इसलिए राजस्थान में आप इस बार पुरजोर तरीके से विधानसभा कि 200 सीटों पर चुनाव लड़ेगी।आप के राजस्थान प्रभारी विनय मिश्रा ने कहा कि कांग्रेस और बीजेपी आपस में मिले हुए हैं। जहां भी आम आदमी पार्टी से इन्हें खतरा नजर आता है, दोनों एक हो जाते हैं। राजस्थान में भी यही मिलीभगत का खेल चल रहा है। हमने बीजेपी प्रदेश मुख्यालय का घेराव करना चाहा तो यहां की कांग्रेस सरकार ने पुलिस के जरिए रुकवा दिया। इनकी यह मिलीभगत का खेल ज्यादा चलने वाला नहीं है। जनता समझ चुकी है। राजस्थान से रामस्वरूप रावतसरे

प्रशिक्षण की गुणवत्ता को आत्मसात करे शिक्षक-डा.अनिल कुमार सिंह

देवरिया।

किसी भी प्रशिक्षण की उपयोगिता तभी सार्थक होगी जब शिक्षक प्रशिक्षण लेने के बाद प्रशिक्षण की गुणवत्ता को आत्मसात करे।यह प्रशिक्षण प्राप्त कर चुके प्रत्येक शिक्षक का नैतिक दायित्व है कि संदर्भदाताओ द्वारा बताई गयी अद्यतन जानकारियों के सहारे कक्षा मे बच्चों के लर्निंग ह्रास को दूर करे।प्रत्येक बच्चे को चिन्हित करते हुए उसकी आवश्यकता अनुकसान गुणात्मक शिक्षा देना आज के दौर मे बहुत जरूरी है।कक्षा मे अंतिम पक्ति मे बैठा विद्यार्थी भी बेहतर कर सकता इस भावन से आप सभी को सामूहिक रूप से लगना पड़ेगा।हर बच्चा कुछ कर सकता है और हर बच्चा पढ़ सकता है यह संदेश सामाजिक दृष्टि मे अभियान बने तभी इस आयोजन का उद्देश्य पूर्ण होगा।इन्होंने कहा कि सभी कार्य पत्रक ग्रास स्तर पर भरे जाए और युद्ध स्तर पर लगकर कोविड–19 की छति को पूरा किया जाए।उक्त बाते उपशिक्षा निदेशक डा.अनिल कुमार सिंह ने जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान रामपुर कारखाना देवरिया के सभागार मे चल रहें गणित व हिन्दी भाषा के उपचारात्मक प्रशिक्षण के तृतीय बैच के समापन समारोह मे प्रतिभागियों को प्रशिक्षण प्रमाण पत्र प्रदान कर संबोधित करते हुए कही।प्रशिक्षण के नोडल अधिकारी डा.अनिल कुमार तिवारी ने सभी प्रतिभागियों को आवश्यक दिशा निर्देश देते हुए प्रशिक्षण की गुणवत्ता और उपादेयता पर विस्तृत प्रकाश डालें।कार्यक्रम का सफल संचालन करते हुए जनपदीय संदर्भदाता व एआरपी डा.पंकज शुक्ल ने तीन दिनों तक चले इस प्रशिक्षण के संदर्भ मे आद्योपांत तथ्यगत ढंग से डायट प्राचार्य सहित उपस्थित सभी प्रवक्तागण और डायट मेन्टर को अवगत कराएं जिस पर प्राचार्य जी द्वारा हर्ष व्यक्त किया गया।समापन समारोह को डा कौशल किशोर,अमित सिंह,अखिलेश राय,डा. परशुराम यादव,आदि ने भी अपने विचार रखें।यह प्रशिक्षण प्रातः साढे नौ से प्रारम्भ होकर शाम पांच बजे तक चला।प्रशिक्षण के मध्य मे स्वादिष्ट व स्वास्थ्यवर्धक अल्पाहार व भोजन समय–समय पर सभी प्रतिभागियों को संस्थान द्वारा उपलब्ध कराया गया।इस पूरे प्रशिक्षण को जनपदीय संदर्भदाता गुन्जा गुप्ता,बृजेश द्विवेदी व अभिषेक मिश्रा ने सम्पन्न कराया।इस अवसर पर राकेश कुमार तिवारी, वंदना सिंह,अनुराधा जायसवाल,अशोक कुमार पाण्डेय,शशिशेखर पांडेय,हरे राम यादव,विज्ञान चंद, रमेश कुमार,उदय प्रताप सिंह,
श्रीराम गुप्ता,सुनीता सिंह,सुमन चौहान,ऋचा मिश्रा,निधि मिश्रा, ज्योत्सना तिवारी,राकेश उपाध्याय,निकहत खातून आदि उपस्थित रहें।

विज्ञापन दर

समाचार पत्र का साइज 25x32

फुल पेज कलर प्रथम पेज 74 हजार रूपये मात्र।
फुल पेज कलर अंतिम पेज 49 हजार रूपये मात्र।
फुल पेज B/W प्रथम पेज 35 हजार रूपये मात्र।
फुल पेज B/W अंतिम पेज 19 हजार रूपये मात्र।
4x6 प्रथम पृष्ठ 3000 और दूसरी पेज 2000 ब्लैक
और कलर प्रथम पृष्ठ 5000 द्वतीय पेज 3000
क्लासीफाइड विज्ञापन 250 रूपये मात्र।
क्लासीफाइड मंथली पांच हजार रूपये मात्र।
कोर्ट नोटिस प्रथम पार्टी 450 रूपये मात्र।
अधिक जानकारी के लिए कार्यालय मे सम्पर्क करे।
9918366626

मार्च में ही सूरज का टॉर्चर, रविवार रहा सीजन का सबसे गर्म दिन, IMD ने दिल्ली के मौसम पर दी ये जानकारी

देश के ज्यादातर हिस्सों में इस बार फरवरी महीने में गर्मी ने दस्तक दे दी थी. हालांकि, होली के दिन बारिश के बाद दिल्ली के तापमान में थोड़ी सी गिरावट आई .थी. अब एक बार फिर दिल्ली में सूरज ने आग उगलना शुरू कर दिया है. दिल्ली में रविवार को तापमान सामान्य से 5 डिग्री से अधिक दर्ज किया गया. मौसम विभाग के मुताबिक रविवार को 34.1 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज किया गया. वहीं, न्यूनतम तापमान 15.2 डिग्री रिकॉर्ड किया गया था. इस दौरान सापेक्ष आर्द्रता 85 से 27 प्रतिशत के बीच रही. आईएमडी के वैज्ञानिक कुलदीप श्रीवास्तव ने कहा कि एक मार्च से शुरू हुए इस मौसम का आज 12वां दिन है. आज राष्ट्रीय राजधानी में अधिकतम तापमान 34.1 डिग्री दर्ज किया गया. यह इस सीजन का अब तक का सबसे गर्म दिन है. आईएमडी के वैज्ञानिक कुलदीप श्रीवास्तव के मुताबिक 30 मार्च, 2021 को दिल्ली में अधिकतम तापमान 40.1 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था. यह उस समय के मार्च महीने का सबसे गर्म दिन था. इसके अलावा 31 मार्च, 1945 को दिल्ली में अधिकतम तापमान 40.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था. यह 1945 में मार्च महीने के सबसे गर्म दिन के तौर पर दर्ज किया गया था. मौसम विभाग के मुताबिक सोमवार को आसमान में आंशिक रूप से बादल छाए रहने की संभावना है. इस दौरान अधिकतम तापमान 34 डिग्री तो न्यूनतम 17 डिग्री दर्ज किया जा सकता है. इसके अलावा आईएमडी ने 14 और 15 मार्च को दिल्ली और उसके आसपास के इलाके में हल्की–फुल्की बारिश की संभावनाएं जताई है.।

मानवोदय में शोक सभा का आयोजन

पटना सिटी अवस्थित मानवोदय संस्था द्वारा दिवंगत वयोवृद्ध पत्रकार,लेखक एवं शिक्षाविद वाई 0 के 0 झा की स्मृति में शोक सभा का आयोजन किया गया।साहित्यप्रेमियों ने उनके चित्रों पर माल्यार्पण किया।ये समस्तीपुर से प्रकाशित मासिक पत्रिका समन्वय के प्रधान संपादक थे।इनका अध्यात्म से लगाव था।ये कई मंचों पर प्रवचन कर चुके थे।इनकी मृत्यु पैतृक गांव वासुदेवपुर(समस्तीपुर) में गत सप्ताह हो गई।इनकी अवस्था 75वर्ष की थी।इनके देहावसान से साहित्यप्रेमियों में उदासी की लहर दौड़ पड़ी। मानवोदय के अध्यक्ष एवं प्रसिद्ध चित्रकार राजेन्द्र प्रसाद मंजुल की अध्यक्षता में शोक सभा आयोजित की गई।उन्होंने झा जी को सुप्रसिद्ध लेखक बताया।महासचिव एवं साहित्यकार प्रभात कुमार धवन ने उन्हें विशिष्ट श्रेणी का लेखक, संघर्षशील पत्रकार और नेक इंसान बताया।शिक्षक एवं कवि दुर्गेश मोहन ने इनका साहित्य के क्षेत्र में अहम योगदान बताया तथा युवा पीढ़ी के लिए प्रेरणास्रोत कहा।समन्वय पत्रिका में मेरी रचनाएँ प्रकाशित हुई थीं। जिसमें प्रमुख कविता मां,तुलसीदास,सलाई, हिन्दी दिवस, परिवार नियोजन, डॉ0ए पी जे अब्दुल कलाम,वीणा वादिनी मां,भगवान श्रीकृष्ण इत्यादि प्रकाशित हुई थीं। शोक संवेदना व्यक्त करने वालों में प्रभारी प्राचार्य अनिल रश्मि,प्रो0 वीरेन्द्र नाथ विभावसु,वरिष्ठ पत्रकार रविकान्त शुक्ल, शंकर शरण आर्य,रामकिशोर सिंह विरागी, गौरी शंकर राजहंस, चन्द्र प्रकाश तारा, एकलव्य केसरी, आलोक चोपड़ा, पुष्पा जमुआर,रंजना कुमारी, संजय सलिल इत्यादि प्रमुख थे।मंच संचालन प्रभात कुमार धवन और धन्यवाद ज्ञापन दुर्गेश मोहन ने किया।

अमित कुमार गुप्ता को राष्ट्रस्तरीय साहित्य भूषण सम्मान से सम्मानित किया गया

दिनांक 11 मार्च 2023 को हिमाक्षरा राष्ट्रीय साहित्य परिषद एवं एच. आर शाह आर्ट्स कॉमर्स कॉलेज नवसारी सम्मान समारोह एवं राष्ट्रीय संगोष्ठी के दौरान विशिष्ट अतिथि के रूप में प्रो. के. एन. चावड़ा, डॉ इसरार ष्गुनेशष।डॉ. नजमा मलेक ने दोनों अतिथियों को पुष्पगुच्छ के साथ सम्मानित किया। संचालन कर रही डॉ. नजमा मलेक ने कहा कि आपका आना हम सभी को स्नेह वर्धक मिल रहा है। हिमाक्षरा राष्ट्रीय साहित्य परिषद के अध्यक्ष डॉ इसरार श्गुनेशश्ने कहा कि डॉ. नजमा मलेक को गुजरात के नवसारी जिले से अध्यक्ष घोषित करता हूँ। प्रथम सत्र के दौरान में वीर नर्मद दक्षिण गुजरात विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. के. एन. चावड़ा ने हिंदी, अंग्रेजी और गुजराती भाषा को लेकर चर्चा की। इस सत्र के दौरान सभी को मोमेंटो और प्रमाण पत्र के साथ सम्मानित किया गया। द्वितीय सत्र में डॉ नूतन अग्रवाल और डॉ. शर्मिला इन दोनों ने स्त्री पक्ष पर सारगर्भित बात रखी तथा तृतीय सत्र में अमित कुमार गुप्ता, डॉ. रानी गुप्ता, प्रबल गुप्ता और पिंटू यादव ने स्त्री की संवेदना को लेकर विस्तार पूर्वक चर्चा की। वही अमित कुमार गुप्ता ने कहा कि स्त्री पैदा नहीं होती बनाई जाती है। इसके बावजूद हिंदी साहित्य में स्त्री विमर्श और अस्मिता की खोज हम सभी आज भी कर रहे हैं लेकिन लोगों का नजरिया अलग– अलग है। हमें एकजुट होकर महिलाओं के प्रति एक संवेदना रखनी चाहिए। चाहे वह गांव हो या समाज। आज स्त्रियां भी शिक्षा के क्षेत्र में पुरुषों से कम नहीं है वह भी कदम से कदम मिलाकर कार्य कर रही है। अंत में डॉ नजमा मलेक ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

थाना सरायममरेज पुलिस टीम द्वारा तहसील हण्डिया प्रयागराज के अमीन पर फायरिंग कर लूट कारित करने वाली घटना का सफल अनावरण

थाना सराय ममरेज पुलिस टीम द्वारा दिनांक 10. 03.2023 को थाना सरायममरेज में पंजीकृत मु0अ0सं0–057द्द2023 धारा 307द्द394 भादवि से समन्धित अभियुक्तों 1. रवि कुमार विश्वकर्मा पुत्र मेवालाल विश्वकर्मा निवासी ग्राम मऊ रामशाला थाना सुरियांवा जनपद भदोही 2. सूरज गौतम पुत्र बृजेश निवासी किचकिला (रिखीपुर) थाना हण्डिया प्रयागराज 3. सूर्य प्रकाश उर्फ नन बाबा पुत्र स्व0 भागीरथी निवासी ग्राम किचकिला (रिखीपुर) थाना हण्डिया प्रयागराज तथा 4. धीरज कुमार पुत्र सुखलाल निवासी ग्राम किचकिला थाना हण्डिया प्रयागराज को आज दिनांक 14.03.2023 को गिरफ्तार कर निशादेही व कब्जे से घटना प्रयुक्त 02 अदद मोटरसाइकिल (लीवो नीले रंग की व सुपर स्पेलेण्डर नीले रंग की), 01 अदद अवैध पिस्टल मय 01 अदद जीवित कारतूस .32 बोर, तथा अमीन से लूटी हुये 04 अदद कागज की फाइल व 135 वर्क कागजात बरामद किये गये। उक्त गिरफ्तारीध्बरामदगी के सम्बन्ध में थाना सराय ममरेज में मु0अ0सं0 61द्द23 धारा 3द्द25 आर्म्स एक्ट पंजीकृत किया गया तथा घटना में प्रयुक्त उपरोक्त मोटरसाइकिलों को वैद्य प्रपत्र न होने के कारण धारा 207 एमवी एक्ट में सीज किया गया। नियमानुसार अग्रिम विधिक कार्यवाही की गयी।

घटना का संक्षिप्त विवरण–

दिनांक 10.03.2023 को वादी श्री राघवेन्द्र कुमार पुत्र जंग बहादुर निवासी ग्राम सियाडीह थाना हण्डिया जनपद प्रयागराज द्वारा थाना स्थानीय पर थाना सरायममरेज क्षेत्र के गोठवा में उनके दोस्त तहसील हण्डिया में कार्यरत अमीन रमाकान्त पुत्र रामदीन निवासी ग्राम कोईरौना बाजार थाना कोईरौना जनपद भदोही को मोटरसाइकिल सवार 03 अज्ञात व्यक्तियों द्वारा जान से मारने की नियत से गोली मारकर उनके बैग को छीनकर भाग जाने के सम्बन्ध में प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किया गया था जिसके सम्बन्ध में थाना सरायममरेज में मु0अ0सं0 057द्द2023 धारा 307द्द394 भादवि बनाम मोटर साइकिल सवार 03 अज्ञात व्यक्ति पंजीकृत हुआ किया गया था । घटना के शीघ्र एवं सफल अनावरण हेतु थाना सरायममरेज पुलिस टीम द्वारा लगातार थाना क्षेत्रध्संभावित स्थानों पर भ्रमणशील रहकर अभियुक्तों के आनेध्जाने वाले रास्तों पर स्थित दुकानों पर लगे सीसीटीवी कैमरों की वीडियों फुटेज को चेक किया गया। सीसीटीवी फुटेज के आधार पर मुकदमा उपरोक्त का सफल अनावरण करते हुये अभियुक्तों की पहचान की गयी तो अभियुक्तगण 1. रवि कुमार विश्वकर्मा पुत्र मेवालाल विश्वकर्मा निवासी ग्राम मऊ रामशाला थाना सुरियांवा जनपद भदोही 2. सूरज गौतम पुत्र बृजेश निवासी किचकिला (रिखीपुर) थाना हण्डिया प्रयागराज 3. सूर्य प्रकाश उर्फ नन बाबा पुत्र स्व0 भागीरथी निवासी ग्राम किचकिला (रिखीपुर) थाना हण्डिया प्रयागराज का नाम प्रकाश में आया । मुखबिर की सूचना के आधार पर आज दिनांक 14.03. 2023 को कुन्दौरा महादेव मन्दिर से अभियुक्तगण (रवि कुमार विश्वकर्मा , सूरज गौतम, सूर्यप्रकाश उर्फ ननबाबा) उपरोक्त को गिरफ्तार किया गया । उक्त अभियुक्तों से पूंछताछ के आधार पर अभियुक्त धीरज कुमार पुत्र सुखलाल निवासी ग्राम किचकिला थाना हण्डिया प्रयागराज व शनि भारतीया उर्फ शनी देवल का नाम प्रकाश में आया । अभियुक्त धीरज कुमार उपरोक्त को पकड़े गये अभियुक्तों के बताने के आधार पर बिना विलम्ब किये बन्दीपट्टी चौराहे से गिरफ्तार किया गया। अभियुक्त शनि भारतीया की गिरफ्तारी हेतु पुलिस टीम द्वारा निरंतर प्रयास किये जा रहे है।

पूछताछ विवरण–

अभियुक्तगण से पूछताछ करने पर बताया गया कि हम तीनों ने दिनांक 10द्द03द्द23 को ग्राम गोठवां के नजदीक रोड पर एक मोटरसाइकिल पर सवार 2 व्यक्तियों पर पीछे बैठे व्यक्ति पर इसी बरामद पिस्टल से गोली मारकर बैग छीना गया था तथा रवि कुमार विश्वकर्मा द्वारा बताया गया कि गोली मैने इसी बरामद पिस्टल से चलायी थी पकड़े गये तीनों अभियुक्तों ने यह भी बताया कि हम तीनों पैसे की जरूरत थी तो हम तीनों ने मिलकर लूट करने की योजना बनायी थी जिसके लिये हमें पिस्टल व मोटरसाइकिल की जरूरत थी। मोटरसाइकिल रवि विश्वकर्मा के दोस्त सूरज गौतम पुत्र विजयशंकर निवासी रोही नेवादा सुरियावा भदोही से दवाई लेने जाने का बहाना बनाकर लिया गया था तथा पिस्टल हमलोगो को शनि भारतीया उर्फ शनि देवल ने उपलब्ध करायी थी । हमारे साथ ही धीरज कुमार पुत्र सुखलाल निवासी ग्राम किचकिला थाना हण्डिया प्रयागराज ने इसी बरामद सुपर स्पेलेण्डर मोटरसाईकिल से दिनांक 10.3.23 को हण्डिया जाकर ष्ठप् बैंक के पास रेकी कर हमें बताया था कि किस मोटरसाईकिल का पीछा कर लूट करनी हैं तथा हमारा सहयोग करने के लिये इसी सुपर स्पेलेण्डर मोटरसाईकिल हमारे पीछे–पीछे आया था ।

गिरफ्तार अभियुक्तों का विवरण–

1. रवि कुमार विश्वकर्मा पुत्र मेवालाल विश्वकर्मा निवासी ग्राम मऊ रामशाला थाना सुरियांवा जनपद भदोही उम्र करीब 23 बर्ष
2. सूरज गौतम पुत्र बृजेश निवासी किचकिला (रिखीपुर) थाना हण्डिया प्रयागराज उम्र करीब 19 बर्ष
3. सूर्य प्रकाश उर्फ नन बाबा पुत्र स्व0 भागीरथी निवासी ग्राम किचकिला (रिखीपुर) थाना हण्डिया प्रयागराज उम्र करीब 23 बर्ष
4. धीरज कुमार पुत्र सुखलाल निवासी ग्राम किचकिला थाना हण्डिया प्रयागराज उम्र करीब 23 बर्ष

सम्बन्धित अभियोग का विवरण–

मु0अ0सं0 57द्द23 धारा 307द्द397द्द120ठद्द412 भादवि–थाना सरायममरेज कमिश्नरेट प्रयागराज

पंजीकृत अभियोग का विवरण –

मु0अ0सं0 61द्द23 धारा 3द्द25 आर्म्स एक्ट द्द बनाम रवि कुमार विश्वकर्मा उपरोक्त

बरामदगी विवरण–

1. एक अदद अवैध पिस्टल मय 01 अदद जीवित कारतूस .32 बोर
2. 04 अदद कागज की फाइल व 135 वर्क कागजात
3. घटना में प्रयुक्त मोटरसाइकिल लीवो(नीला रंग) इंजन नं0 श्रब्88म्ळ2020077, चेसिस न 0 – डम्4श्रब्885ज्ञडळ011834)
4. घटना में प्रयुक्त मोटरसाइकिल सुपर स्पेलेण्डर (नीला रंग) इंजन नं0 डठस्श्रॅ173ड9स्04750 व इंजन नं0 श्र ।07 ।ठड9स्10962)

आपराधिक इतिहास–

धीरज कुमार उपरोक्त–
मु0अ0सं0 122द्द22 धारा 3द्द25 आर्म्स एक्ट थाना सरायममरेज जनपद प्रयागराज

गिरफ्तारीध्बरामदगी करने वाली पुलिस टीम–

1.प्रभारी निरीक्षक तरूणेन्द्र त्रिपाठी थाना सरायममरेज कमिश्नरेट प्रयागराज
2.वरिष्ठ उ0नि0 रामेन्द्र कुमार सिंह थाना सरायममरेज कमिश्नरेट प्रयागराज
3.उ0नि0 कपिल कुमार थाना सरायममरेज कमिश्नरेट प्रयागराज
4.उ0नि0 अरविन्द कुमार थाना सरायममरेज कमिश्नरेट प्रयागराज
5.उ0नि0 बल्ली सिंह यादव थाना सरायममरेज कमिश्नरेट प्रयागराज
6.उ0नि0 विशाल कुमार गुप्ता थाना सरायममरेज कमिश्नरेट प्रयागराज
7.हे0का0 सत्येन्द्र कुमार पाल थाना सरायममरेज कमिश्नरेट प्रयागराज
8.का0 याहिया खाँ थाना सरायममरेज कमिश्नरेट प्रयागराज9.का0 नन्दकिशोर थाना सरायममरेज कमिश्नरेट प्रयागराज10.का0 अमित यादव थाना सरायममरेज कमिश्नरेट प्रयागराज 11.का0 पवन धानगर थाना सरायममरेज कमिश्नरेट प्रयागराज

शातिर चोर थाना फाफामऊ पुलिस द्वारा गिरफ्तार 72 घण्टों के अन्दर चोरी गयी एम्बूलेंश बरामद

थाना फाफामऊ पुलिस टीम द्वारा थाना फाफामऊ में पंजीकृत मु0अ0सं0 53ध्23 धारा 379 भा0द0सं0 में चोरी गयी एम्बूलेंश नं0 न्च 70 म्ज 0529 को 72 घण्टों के अन्दर दिनांक 10.03.2023 को ग्राम शिवपुर से बरामद किया गया तथा आज दिनांक 14.03.2023 को मुखबिर की सूचना पर अपराध में शामिल शातिर चोर गणेश प्रसाद गुप्ता उर्फ विनय पुत्र पन्ना लाल गुप्ता निवासी हथिगहा थाना नवाबगंज जनपद प्रयागराज को गिरफ्तार किया गया । गिरफ्तारी व बरामदगी के आधार पर मुकदमा उपरोक्त में धारा 411ध्420 भा0द0सं0 की वृद्धि करते हुए अग्रिम विधिक कार्यवाही की गयी।

गिरफ्तार अभियुक्त–

गणेश प्रसाद गुप्ता उर्फ विनय पुत्र पन्ना लाल गुप्ता निवासी हथिगहा थाना नवाबगंज जनपद प्रयागराज

बरामदगी का विवरण –

चोरी की एम्बूलेंश वैन नं0 न्च 70 म्ज 0529

अभियोग का विवरण–

मु0अ0सं0 53ध्23 धारा 379ध्411ध्420 भा0द0सं0 थाना फाफामऊ, कमिश्नरेट प्रयागराज ।

गिरफ्तारी करने वाली पुलिस टीम–

1.उ0नि0 बृजेश कुमार यादव थाना फाफामऊ कमिश्नरेट प्रयागराज ।

2.उ0नि0 विश्वेन्द्र कुमार यादव थाना फाफामऊ कमिश्नरेट प्रयागराज

3.उ0नि0 रमेश कुमार थाना फाफामऊ कमिश्नरेट प्रयागराज ।

4.हे0का0 रवीन्द्र सिंह थाना फाफामऊ कमिश्नरेट प्रयागराज ।

5.हे0का0मुकेश कुमार थाना फाफामऊ कमिश्नरेट प्रयागराज ।

6.का0 संजय यादव थाना फाफामऊ कमिश्नरेट प्रयागराज ।

7.का0 अजय कुमार यादव थाना फाफामऊ कमिश्नरेट प्रयागराज ।

थाना मुट्ठीगंज पुलिस द्वारा वांछित अभियुक्त गिरफ्तार

थाना मुट्ठीगंज पुलिस टीम द्वारा थाना मुट्ठीगंज में पंजीकृत मु0अ0सं0 24ध्23 धारा 363, 366, 376(2)(द) भादवि व 5ध्6 पॉक्सो एक्ट के वांछित अभियुक्त सुजीत निषाद पुत्र अलगू निषाद अस्थायी नि0 (1) बिहार नगर करेलाबाग थाना करैली प्रयागराज (2) 628 बी दरियाबाद थाना अतरसुइया प्रयागराज उम्र करीब 21 वर्ष को मुखबिर की सूचना पर आज दिनांक 14.03.2023 को गऊघाट पुल के नीचे से गिरफ्तार किया गया। नियमानुसार अग्रिम विधिक कार्यवाही की गयी।

गिरफ्तार अभियुक्त का विवरण–

सुजीत निषाद पुत्र अलगू निषाद अस्थायी पता– (1) बिहार नगर करेलाबाग थाना करैली प्रयागराज (2) 628 बी दरियाबाद थाना अतरसुइया प्रयागराज, उम्र करीब 21 वर्ष

संबन्धित अभियोग का विवरण–

मु0अ0सं0 24ध्23 धारा 363, 366, 376(2)(द) प्च्ब् व 5ध्6 पाक्सो एक्ट

पुलिस टीम का विवरण–

1.उ0नि0 विनय कुमार सिंह प्रभारी चौकी गऊघाट थाना मुट्ठीगंज कमिश्नरेट प्रयागराज

2.का0 मो0अली थाना मुट्ठीगंज कमिश्नरेट प्रयागराज।

थाना पूरामुफ्ती पुलिस द्वारा 01 वारण्टी अभियुक्त गिरफ्तार

थाना पूरामुफ्ती पुलिस द्वारा मा0 प्रधान न्यायालय परिवारिक न्यायालय कौशाम्बी द्वारा निर्गत एनबीडब्लू मु0अ0सं0 44ध्21 धारा 128 सीआरपीसी से सम्बन्धी वारंटी अभियुक्त 1. राजू उर्फ जगदीश शाहू पुत्र ओमप्रकाश नि0 मोहिउद्दीन पुर भरेठा थाना पूरामुफ्ती कमि0 प्रयागराज उम्र 42 वर्ष को उसके घर से गिरफ्तार कर मा0 न्यायालय कौशाम्बी के समक्ष प्रस्तुत किया गया ।

गिरफ्तार अभियुक्त का विवरणः–

राजू उर्फ जगदीश शाहू पुत्र ओमप्रकाश नि0 मोहिउद्दीन पुर भरेठा थाना पूरामुफ्ती कमि0 प्रयागराज उम्र 42 वर्ष

पुलिस टीम का विवरण–

1. उ0नि0 कुलदीप शर्मा थाना पूरामुफ्ती कमिश्नरेट प्रयागराज।
2. का0 का0 प्रवेश यादव थाना पूरामुफ्ती कमिश्नरेट प्रयागराज।

हैदरी स्टोर की ओर से सजी सब्रो वफा के उनवान से शायराना महफिल

हजरत इमाम हुसैन व हजरत अब्बास की यौमे विलादत के सिलसिले की एक महफिल हैदरी स्टोर की ओर और सब्रो वफा के उनवान से सजाई गई।जिसमें शायरों ने इमाम हुसैन व हजरत अब्बास की शुजा व बहादुरी पर अशआर सुना कर जमकर दाद बटोरी।शकील हैदरी व राशिद हैदरी ने आए हुए शायरों का गुलपोशी वह तोहफा देकर सम्मानित किया।शफकत अब्बास पाशा के संचालन व मौलाना जवादुल हैदर रिजवी की तकरीर के साथ शायरों ने अपने तास्सुरात का इजहार किया।शायर नायाब बलियावी , जकी अहसन ,हसनैन मुस्तफाबादी , जावेद रिजवी करारवी ,बाबर जहीर ,रौनक सफीपुरी , डॉ कच्मर आब्दी ,मौलाना आमिरुर रिजवी , रुस्तम साबरी ,मन्ने भय्या शायरी , इरफान लखनवी ,बाकर रिजवी ,काशिफ मौलाई ,अली हसन चांदपूरी ,मजलिसी हैदर आदि ने एक से बढ़ कर एक अशआर सुनाए।

मण्डलायुक्त ने नई सड़कों के निर्माण, चौड़ीकरण एवं सुदृढ़ीकरण के कार्यो की समीक्षा करते हुए कार्य में तेजी लाये जाने के दिए निर्देश

गोआश्रय स्थलों पर हर चारा, पीने के पानी के साथ ही छाया की व्यवस्था सुनिश्चित करने के दिए निर्देश मण्डलायुक्त ने जल जीवन मिशन के तहत कनेक्शन के कार्यों में तेजी लाये जाने के दिए निर्देशमण्डलायुक्त ने आईजीआरएस से सम्बंधित शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्धता के साथ निस्तारण सुनिश्चित किए जाने के दिए निर्देशमण्डलायुक्त ने शराब की दुकानोंध्ठेको पर ओवर रेट से सम्बंधित शिकायतों पर सभी दुकानों पर हार्डबोर्ड में रेट लिस्ट लगाये जाने के दिए निर्देशओवरलोडिंग एवं सड़क पर बिना नंबर प्लेट के चल रहे वाहनों के विरुद्ध प्रवर्तन की कड़ी कार्यवाही करने के दिए निर्देश मण्डलायुक्त श्री विजय विश्वास पंत की अध्यक्षता में मंगलवार को गांधी सभागार में आईजीआरएस, विकास प्राथमिकता कार्यो की मण्डलीय समीक्षा बैठक आयोजित की गयी। बैठक में मण्डलायुक्त ने आईजीआरएस पोर्टल की शिकायतों के निस्तारण एवं उसकी गुणवत्ता की समीक्षा करते हुए सभी सम्बंधित अधिकारियों को निर्देशित किया है कि शिकायतों का निस्तारण गुणवत्तापूर्ण ढंग से निर्धारित समयसीमा में अनिवार्य रूप से किया जाये साथ ही साथ उन्होंने यह भी कहा है कि शिकायतों के निस्तारण के बाद शिकायतकर्ता को निस्तारण से अवगत भी करा दिया जाये। मण्डलायुक्त ने सभी सम्बंधित विभागों के अधिकारियों को शिकायतों के निस्तारण की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान दिए जाने के लिए कहा है। विकास कार्यो की बिंदुवार समीक्षा करते हुए मण्डलायुक्त ने जल जीवन मिशन के अन्तर्गत कराये जा रहे कार्यो की समीक्षा करते हुए उन्होंने हर घर जल योजना के अन्तर्गत कनेक्शन दिए जाने के कार्यो में तेजी लाये जाने का निर्देश कार्यदायी संस्था को दिया है। पशुपालन विभाग की समीक्षा में मण्डलायुक्त ने गो आश्रय स्थलों के आस–पास के गांवों के चारागाहों में हरे चारे को बोये जाने के सम्बंध में जानकारी लेते हुए और ज्यादा से ज्यादा खाली पड़े स्थानों पर हरे चारे की बोआई के लिए कहा है, जिससे कि निराश्रित गोवंशों को हरे चारे की उपलब्धता लगातार सुनिश्चित हो सके साथ ही गो–आश्रय स्थलों पर पर्याप्त मात्रा में भूसा के सुरक्षित भण्डारण की व्यवस्था करने के निर्देश दिए है। मण्डलायुक्त ने गर्मी के मौसम को देखते हुए गोआश्रय स्थलों पर पीने के पानी के साथ ही छाया की भी व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए कहा है। स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा करते हुए मण्डलायुक्त ने आयुष्मान भारत योजना के अन्तर्गत पात्र लोगो के गोल्डेन कार्ड बनाये जाने के कार्य में तेजी लाये जाने के निर्देश दिए है। मण्डलायुक्त ने पोस्टमार्टम हाउस में बैठने की व्यवस्था ठीक न पाये जाने पर नाराजगी व्यक्त करते हुए मुख्य चिकित्साधिकारी को वहां पर जल्द से जल्द लोगो के बैठने की व्यवस्था कराये जाने के लिए निर्देशित किया है। मण्डलायुक्त ने नगर एवं ग्राम विकास की समीक्षा करते हुए प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी एवं ग्रामीण के अन्तर्गत लम्बित आवेदन पत्रों का शत–प्रतिशत निस्तारण सुनिश्चित कराये जाने के निर्देश दिए है। समाज कल्याण विभाग के कार्यो की समीक्षा करते हुए उन्होंने मा0 मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना की प्रगति की जानकारी लेते हुए संतोष व्यक्त किया। कन्या सुमंगला योजना की समीक्षा करते हुए मण्डलायुक्त ने आवेदन की संख्या कम पाये जाने पर नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने लोगो के मध्य इस योजना का व्यापक प्रचार–प्रसार कराये जाने के लिए कहा है। मण्डलायुक्त ने कहा कि जो पंचायत भवन बन कर तैयार हो गये है, उनको क्रियाशील करना सुनिश्चित करें। पंचायत भवनों में सेक्रेटरी बैठकर लोगो की समस्याओं को सुने तथा उनका निस्तारण करायें। पीडब्लूडी विभाग के कार्यो की समीक्षा करते हुए मण्डलायुक्त ने नई सड़कों के निर्माण, चौड़ीकरण एवं सुदृढ़ीकरण के कार्यो की समीक्षा करते हुए कार्य में तेजी लाये जाने के निर्देश दिए है। मण्डलायुक्त ने जनपद कौशाम्बी में अवमुक्त धनराशि के सापेक्ष कार्य में प्रगति संतोषजनक न पाये जाने पर कार्य में तेजी लाये जाने के निर्देश दिए है। मण्डलायुक्त ने हैण्डपम्पों के रिबोर एवं मरम्मत की स्थिति की समीक्षा करते हुए सम्बंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि जहां पर रिबोर व मरम्मत से सम्बंधित शिकायत प्राप्त हो, तत्काल उसका निस्तारण सुनिश्चित किया जाये। बेसिक शिक्षा विभाग की समीक्षा करते हुए मण्डलायुक्त ने कायाकल्प योजना के तहत कराये जा रहे कार्यो के प्रगति के बारे में जानकारी ली। उन्होंने कहा कि दिव्यांग शौचालय का निर्माण वहां पर सर्वप्रथम करायें, जहां पर दिव्यांग बच्चे पढ़ रहे है। इसके साथ ही स्कूल की बाउड्रीवाल, फर्नीचर, विद्युत कनेक्शन के सम्बंध में जानकारी ली। उन्होंने विद्युत विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया कि ऐसे विद्यालयों जहां पर विद्युत का कनेक्शन नहीं हुआ है, वहां पर जल्द से जल्द विद्युत का कनेक्शन करना सुनिश्चित किया जाये।मण्डलायुक्त ने कर–करेत्तर की समीक्षा में विभागवार राजस्व वसूली की प्रगति समीक्षा करते हुए सभी विभागों को राजस्व वसूली बढ़ाये जाने के निर्देश दिए। उन्होंने शराब की दुकानों पर ओवर रेटिंग की शिकायत पर नाराजगी जताते हुए आबकारी विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया कि यह सुनिश्चित किया जाये कि सभी दुकानों पर हार्डबोर्ड में ही रेट लिस्ट लगी होनी चाहिए। इसके साथ ही हर ठेका अपना अपना रिकॉर्ड मेंटेन करते रहें साथ ही यह भी सुनिश्चित करें कि कोई भी दुकान अपनी निर्धारित स्थान से आगे न हो। परिवहन विभाग की राजस्व वसूली की समीक्षा करते हुए उन्होंने ओवरलोडिंग एवं सड़क पर बिना नंबर प्लेट के चल रहे वाहनों के विरुद्ध कड़ी प्रवर्तन की कार्यवाही करने को कहा है। चौराहों एवं हाईवे पर लगे कैमरा क्रियाशील स्थिति में हो तथा जहां पर कैमरे न लगे हो, वहां पर कैमरो को लगवाकर प्रवर्तन की कार्यवाही में तेजी लाये जाने का निर्देश दिया है। उन्होंने ट्रकों के रवन्नों का लगातार निरीक्षण करते रहने का निर्देश दिया है। कहा कि बिना रवन्ना के कोई भी गाड़ी न चलने पाये। इस अवसर पर जिलाधिकारी प्रयागराज श्री संजय कुमार खत्री, जिलाधिकारी प्रतापगढ़ डॉ0 नितिन बंसल, जिलाधिकारी कौशाम्बी श्री सुजीत कुमार, जिलाधिकारी फतेहपुर श्रीमती श्रुति, मुख्य विकास अधिकारीगणों के साथ ही अन्य विभागों के मण्डलीय अधिकारी उपस्थित रहे

जो पाकिस्तान कश्मीर मांगता था आज आटे की भीख मांग रहा है।

14 मार्च प्रयागराज, मुट्ठीगंज मंडल के द्वारा आयोजित शहराबाग मोहितसिंमगंज ,कटघर, दरियाबाद शक्ति केंद्रों में राष्ट्रपति द्रोपति मुर्मू जी के अभिभाषण संगोष्ठी में संगोष्ठी के मुख्य वक्ता भाजपा मीडिया प्रभारी राजेश केसरवानी ने कार्यकर्ताओं से कहा कि कांग्रेस और यूपी की सरकार में वंशवाद और भ्रष्टाचार का आलम था और लोकतंत्र के नाम पर लूट तंत्र की की स्थापना हुई थी और आज नरेंद्र मोदी की सरकार में भ्रष्टाचार पर पूर्ण रूप से लगाम लगा और देश के अंदर लोकतांत्रिक व्यवस्था दिखाई पड़ रही है आज एक गरीब व्यक्ति भी देश के उच्च पदों पर बैठ रहा है जिसे कांग्रेस पहचान नहीं पा रही है जो लोग भ्रष्टाचार का विकास कर रहे थे और वंश वादी थे आज वही लोग लोकतंत्र की दुहाई दे रहे हैं और कहा कि नरेंद्र मोदी की सरकार ने विकास की धारा बहाकर भारत के हर क्षेत्र को मजबूती प्रदान की है और देश के दुश्मनों को उसको उसी की भाषा में जवाब दे रहा है जो कल तक पाकिस्तान कश्मीर मांगता था आज आटे की भीख मांग रहा है ये नरेंद्र मोदी का नया भारत है इस अवसर पर कल्पना श्रीवास्तव ,पद्माकर श्रीवास्तव, अनिल कुमार, सीताराम चौरसिया, ने महामहिम राष्ट्रपति द्रौपदी मुरमू जी का अभिभाषण व्यक्त किया मीडिया प्रभारी राजेश केसरवानी ने बताया कि भारतीय जनता पार्टी के द्वारा 30 शक्ति केंद्रों की अभिभाषण संगोष्ठी 28 वार्ड में युवा मोर्चा के द्वारा 28 वार्ड में महिला मोर्चा के द्वारा बैठक एवं होली मिलन का आयोजन किया गया इस अवसर पर प्रमुख रूप से मंडल संयोजक अजय अग्रहरि, नितिन श्रीवास्तव, शिव मूरत गोले,शारदा ओझा, नितिन श्रीवास्तव शत्रुघ्न जायसवाल, लव कुश केसरवानी ,रितेश केसरवानी ,लता उपाध्याय राजेंद्र वर्मा, राजीव ओझा, नीरज केसरवानी ,दीपक केसरवानी, ओम केसरवानी, सनी कुमार , एवं सैकड़ों कार्यकर्ता एवं सम्मानित नागरिक उपस्थित रहे

पत्रकार जगत के पुरोधा का योगदान अविस्मरणीय

प्रयागराज देश के प्रसिद्ध एवं प्रतिष्ठित पत्रकार पुरोधा डॉ० वेद प्रताप वैदिक जी के निधन की दुरुखद सूचना से भारतीय राष्ट्रीय पत्रकार महासंघ परिवार शोकाकुल है और अपनी विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करता है । भारतीय राष्ट्रीय पत्रकार महासंघ परिवार ईश्वर से पुण्यात्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान देने और परिजनों सहित देश के पत्रकार जगत को दुरूख सहने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना करता है भारतीय राष्ट्रीय पत्रकार महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष मुनेश्वर मिश्र राष्ट्रीय संयोजक डॉक्टर भगवान प्रसाद उपाध्याय राष्ट्रीय उपाध्यक्ष जय शंकर त्रिपाठी अनंतराम पांडेय राष्ट्रीय मुख्य महासचिव मथुरा प्रसाद धुरिया राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी पवनेश कुमार कार्यालय महासचिव श्याम सुंदर सिंह पटेल राष्ट्रीय संरक्षक डॉ बाल कृष्ण पांडेय उत्तर प्रदेश इकाई के प्रांतीय अध्यक्ष प्रभा शंकर और प्रांतीय प्रभारी सच्चिदानंद मिश्र प्रांतीय मुख्य महासचिव मधुसूदन सिंह प्रांतीय कोषाध्यक्ष हौसला प्रसाद सिंह पटेल मंडल अध्यक्ष प्रयागराज अजय कुमार पांडेय मंगल मुख्य महासचिव प्रयागराज शमशाद अली मंडल सचिव अशोक कुमार तिवारी जिला अध्यक्ष प्रयागराज रमाकांत त्रिपाठी जिला मुख्य महासचिव राजेंद्र प्रसाद पांडेय जिला कोषाध्यक्ष पंकज गुप्ता आदि ने शोक संवेदना व्यक्त करते हुए स्वर्गीय वैदिक जी को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की और पत्रकार जगत के पुरोधा के अविस्मरणीय योगदान को याद किया।

भाजपा के द्वारा जन जन तक पहुंचकर मतदाता सूची में नाम डलवाने का किया गया कार्य

14 मार्च प्रयागराज,भाजपा एनजीओ प्रकोष्ठ के द्वारा मुट्ठीगंज वार्ड में जन जन तक पहुंच कर नगर निगम की मतदाता सूची में नाम जोड़ने का कार्य किया गया इस अवसर पर एनजीओ प्रकोष्ठ के प्रांत सह संयोजक रजनीकांत श्रीवास्तव ने कहा कि एनजीओ प्रकोष्ठ के द्वारा लगातार 17 मार्च तक आम नागरिकों तक पहुंच कर 18 वर्ष के ऊपर के लोगों को मतदाता सूची में नाम डलवाने की प्रक्रिया के तहत मतदाता फार्म भरवाने का कार्य किया जाएगा मीडिया प्रभारी राजेश केसरवानी ने बताया कि एनजीओ प्रकोष्ठ के माध्यम से लगभग 342 लोगों को मतदाता सूची का फार्म भरवाया गया इस अवसर पर पिंकी जायसवाल, ओम प्रकाश मिश्रा, वरुण गिरी ,पार्थ श्रीवास्तव, सुशील पांडे ,पवन श्रीवास्तव, ज्ञानेंद्र द्विवेदी ,संतोष सिंह आदि उपस्थित रहे

इलेक्ट्रिक बस के संचालन हेतु सौंपा ज्ञापन

प्रयागराज विधायक प्रतिनिधि अरुण शुक्ला के नेतृत्व में विधायक हर्षवर्धन बाजपेई का ज्ञापन क्षेत्रीय प्रबंधक रोडवेज एम के त्रिवेदी को गोविंदपुर से ट्रिपल आई टी तक इलेक्ट्रिक बस के संचालन प्रारम्भ करने हेतु ज्ञापन सौंपा गया और क्षेत्रीय प्रबंधक एम के त्रिवेदी ने कहा कि सर्वे कराकर कर के जल्द ही इस रूट पर भी इलेक्ट्रिक बस का संचालन कराया जाएगा जिसमें मुख्य रूप से विक्रांत शुक्ला क्षेत्रीय प्रतिनिधि,दीपक ओझा अधिवक्ता,शेखर मिश्रा भाजपा नेता,प्रांशु त्रिपाठी युवा नेता उपस्थित रहे।

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा संचालित शिक्षण एवं मार्ग दर्शन केन्द्र

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा संचालित शिक्षण एवं मार्ग दर्शन केन्द्र, क्षेत्रीय सेवायोजन कार्यालय प्रयागराज अन्तर्गत अनुसूचित जातिध्अनु0जन जाति एवं अन्य पिछड़ी जाति के शिक्षित बेरोजगार अभ्यर्थियों को एक दिवसीय प्रतियोगी परीक्षाओं सम्बन्धी तैयारी के उद्देश्य से एक वर्षीय निःशुल्क प्रशिक्षण एवं मार्ग दर्शन प्रदान करने हेतु वर्तमान सत्र–01 अप्रैल, 2023 से प्रारम्भ होगा। उक्त प्रशिक्षण में प्रवेश के इच्छुक अभ्यर्थियों से दिनांक–27.03.2023 तक आवेदन–पत्र आमंत्रित किये जाते हैं। उक्त प्रशिक्षण अन्तर्गत आशुलिपिध्टंकणध्कंप्यूटरध्गणितध्तर्कशक्ति व सामान्य ज्ञान आदि विषयों का प्रशिक्षण दिया जायेगा। प्रवेश हेतु न्यूनतम शैक्षिक योग्यता इण्टरमीडिएट परीक्षा उत्तीर्ण तथा आयु–18 से 35 वर्ष के इच्छुक महिलाध्पुरूष अभ्यर्थी अपनी शैक्षिक योग्यता, आयु, जाति आदि प्रमाण–पत्रों की छाया प्रतियों सहित आवेदन–पत्र क्षेत्रीय सेवायोजन कार्यालय स्थित शिक्षण एवं मार्ग दर्शन केन्द्र में प्राप्तध्जमा कर सकते हैं। उच्च शैक्षिक योग्यता एवं टंकणध्कम्प्यूटर में ज्ञान रखने वाले अभ्यर्थियों को वरीयता दी जायेगी।

उक्त प्रशिक्षण में प्रवेश, साक्षात्कार के आधार दिया जायेगा। दिनांक 28.03.2023 को पिछड़ी जाति एवं दिनांक–29.03. 2023 को अनुसूचित जातिध्जन जाति (महिलाध्पुरुष) अभ्यर्थियों हेतु साक्षात्कार सुनिश्चित है। साक्षात्कार के समय सभी प्रमाण पत्रों की मूल प्रतियाँ साथ लाना अनिवार्य है। आवेदन–पत्र क्षेत्रीय सेवायोजन कार्यालय स्थित शिक्षण एवं मार्ग दर्शन केन्द्र से प्राप्तध्जमा कर सकते हैं तथा फार्म का प्रारूप सूचना पट पर भी देखा जा सकता है। इस हेतु कोई भी मार्ग व्यय देय नहीं होगा।

रोजगार मेले में 70 अभ्यर्थियों का हुआ चयन

क्षेत्रीय सेवायोजन कार्यालय, प्रयागराज द्वारा मंगलवार को कृषक इण्टर कालेज, कसौटा, बसहरा उपरहार, शंकरगढ़ परिसर में रोजगार मेले का आयोजन किया गया। इस मेले में निजी क्षेत्र की कम्पनी पीपल ट्री आनलाइन, डस्की स्टैलियन कन्सलटेंसी सर्विस प्रा0लि0, गोल्डेन फार्मा आर्गेनिक एग्रीकल्चर प्रा0लि0, ब्राइट फ्यूचर आर्गेनिक हर्बल्स एण्ड आयुर्वेदिक प्रा0लि0 एवं कैरियर ब्रीज स्किल साल्यूशन द्वारा चयन किया गया। रोजगार मेले में कुल 70 अभ्यर्थियों का चयन किया गया। रोजगार मेले में बड़ी संख्या में बेरोजगार अभ्यर्थियों ने प्रतिभाग किया। रोजगार मेले में आये हुए अभ्यर्थियों की प्रीप्लेसमेंट काउंसिलिंग का भी आयोजन किया। उपरोक्त रोजगार मेले में मुख्य अतिथि श्री सुरेन्द्र कुमार पाण्डेय, अध्यक्ष एवं श्री मो0 हसन अध्यक्ष, अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ द्वारा की गयी। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रधानाचार्य श्री राम सिंह नेगी द्वारा की गयी। इस रोजगार मेले में खण्ड विकास अधिकारी श्री राम विलास राय तथा सेवायोजन कार्यालय, प्रयागराज के समस्त अधिकारियोंध्कर्मचारियों ने सहायोग किया।

जिलाधिकारी ने बैठक से अनुपस्थित रहने पर जिला कृषि अधिकारी का वेतन रोकने के दिए निर्देश

जिलाधिकारी श्री संजय कुमार खत्री की अध्यक्षता में मंगलवार को संगम सभागार में जिला गंगा सुरक्षा समिति, जिला वृक्षारोपण समिति एवं जिला पर्यावरण समिति की बैठक आयोजित हुई। जिलाधिकारी ने बैठक में अनुपस्थित रहने पर जिला कृषि अधिकारी का वेतन रोके जाने के साथ ही साथ सम्बंधित विभागों के जिला स्तरीय अधिकारियों को ही बैठक में उपस्थित रहने का निर्देश दिया है। बैठक में जिलाधिकारी ने नमामि गंगे योजना के तहत चल रहे कार्यो के प्रगति, गंगा में प्रवाहित होने वाले नालों के टैपिंग कार्य की प्रगति, अर्थ गंगा, नेहरू युवा केन्द्र द्वारा गंगा जागरूकता हेतु आयोजित कार्यक्रमों की प्रगति, ठोस अपशिष्ट, जैव चिकित्सा अपशिष्ट, अपशिष्ट निस्तारण एवं अपशिष्ट जलाये जाने की रोकथाम हेतु किए गए कार्यो की प्रगति, वेट लैण्ड कंजरवेशनध्वाटर बाडीज रेस्टोरेशन प्रोजेक्ट्स, प्राकृतिकध्जैविक खेती को बढ़ावा देने की गतिविधियों, वृक्षारोपण वर्ष 2023–24 हेतु मियावाकी वृक्षारोपण हेतु स्थलों के चयनित किए जाने की प्रगति सहित अन्य बिंदुओं पर विस्तार से समीक्षा की गयी। उन्होंने सभी सम्बंधित विभागों को समन्वय बनाकर कार्य को गुणवत्ता के साथ निर्धारित समय सीमा में पूर्ण कराये जाने का निर्देश दिया है।

जिलाधिकारी ने नदियों के सौन्दर्यीकरण की समीक्षा करते हुए उपरहहा हण्डिया तहसील में स्थित झील के सौन्दर्यीकरण हेतु किए जाने वाले कार्यो के प्रोजेक्ट रिपोर्ट की प्रगति के बारे में जानकारी ली। उन्होंने जनपद की सीमा के अन्तर्गत गंगा में प्रवाहित होने वाले नालों एवं उनके टैपिंग के कार्यो की समीक्षा करते हुए कहा कि जो भी नाला टैप्ड किया गया है, वहां पर बायोमेडिएशन का कार्य भी सुनिश्चित कराये जाने का निर्देश दिया है। जिलाधिकारी ने ठोस अपशिष्ट एवं जैव चिकित्सा अपशिष्ट के निस्तारण की समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी ने नगर निगम एवं चिकित्सा विभाग की टीम को अपशिष्ट पदार्थो के निस्तारण हेतु संयुक्त रूप से कार्रवाई किए जाने का निर्देश दिया है। इस अवसर पर डीएफओ श्री महावीर कौजलगी सहित अन्य सम्बंधित अधिकारीगण उपस्थित रहे।

सम्पादकीय

पिता को अग्नि

भीलांचल झाबुआ का छोटा सा कस्बा रामनगर ,जहाँ चार खम्भो पर टिकी बांसों की झोपड़ी में सोमला अपने बुजुर्ग माता पिता के साथ रहता था , सोमला जवान था किंतु निरक्षर जिसे अनार का भी याद नहीं । अपनी झोपड़ी के समीप उसका छोटा सा खेत था । वह खेत ही उसको और उसके बुजुर्ग माता पिता की रोजी–रोटी थी , किन्तु विगत दो साल से पानी इस गाँव मे गिरा ही नहीं। खेत बंजर एवं एकदम सूखा था । सोमला के लिए खुद का ओर माता पिता का पेट भरना मुश्किल ही था । जैसे तैसे गाँव मे छोटा–मोटा कोई काम किसी का कर देता और बदले में ले आता ,कभी कभी तो उसके माता पिता को भी एक समय खाना मिलता, शाम भूखा ही सोना पड़ता ।

इसी बीच सोमला के पिता का स्वर्गवास हो गया । पिता का स्वर्गवास उसके लिए समस्या बन गया । पिता को जलाने को लकड़ी नहीं थी । जंगल के पेड़ों को वह काट नहीं सकता था,

विवश सोमला ने अपनी झोपड़ी को तोड़ दिया और उसकी सारी लकड़ियों से पिता का दाह संस्कार किया और माँ को ले खेत मे सूखे पेड़ के नीचे टाट बिछाकर लेट गया और उदास खमोश आखों से कभी आसमान को निहारता तो कभी , सिरहाने लेटी नींद से कोसो दूर माँ का बुझा ,खामोश चेहरा देखता जो उसे जिन्दा लाश सा लग रहा था ।

डॉ रामशंकर चंचल झाबुआ म.प्र .।

देवत्व रूपिणी नारी

नारी जिसे ईश्वर प्रदत्त विशेष आध्यात्मिक शक्तियां प्राप्त हुई हैं। वह माता–बहन–पत्नी जैसे अनेक रूपो में जो भूमिका समाज मे निभाती है वह पुरुष से कहीं अलग और अधिक शक्ति का प्रभाव दर्शाती है जननी होने से उसके विशेष अंगों के कारण वह शरीर से अवश्य ही पुरुष से कुछ कम हो सकती है लेकिन मानसिकता में वह पुरुष कहीं आगे है। संसार मे कमी किस में नही है नारी में भी कुछ कमियां हो सकती हैं थोड़ी बहुत कमियाँ सभी मे विद्यमान होती हैं! हां निर्विकार और निर्दोष तो केवल ईश्वर ही होता है।

नारी का आत्म विश्वास बहुत दृढ़ होता है उसमें संकटो का सामना करने की शक्ति पुरुष से कही अधिक होती है साथ ही उसमे एक और विशेष गुण ये होता है कि वह शीघ्र ही क्रोधित नही होती बेचौन नही होती।

घबराती नही है अभावो में भी जीवन यापन करते हुए अपने परिवार का लालन–पालन करती है उसे आने बच्चो के भविष्य की चिंता पुरुष से अधिक होती है।

इस नवयुग के प्रारम्भ में आध्यात्म के प्रति जो समर्पण भाव नारी में देखने को मिल रहा है वह भी अद्वितीय है उसने अब तक के सारे आंकड़ों को पीछे छोड़ दिया है! लगता है आने वाले नवयुग में आध्यात्म के क्षेत्र में परिवार के पालन–पोषण में आजीविका प्राप्त करने में!

शिक्षा–खेल–सैनिक भर्ती तकनीकी क्षेत्र आदि सभी स्थानों पर नारी ने अपना विशेष स्थान स्थापित किया है और आने वाला नवयुग भी नारी के नाम ही हो तो कोई आश्चर्य नही होगा।

डॉ शिवदत्त शर्मा शिव
जयपुर ग्रेटर राजस्थान।

बासौड़ा पूजन

बहू! ऐसा कर,गुड़ के मीठे और फीके चावल बना कर रख दे। कल हमें बासौड़ा पूजन करने शीतला माता के मंदिर जाना है।

मम्मी जी! एक बात मुझे समझ नहीं आती कि हम बासौड़ा पूजन के लिए माता को बासी भोजन का भोग क्यों चढ़ाते हैं?

देख बेटा! मैंने कभी अपनी माँ या सास से इस विषय में कुछ पूछा नहीं पर मुझे लगता है कि बासौड़ा पूजन का धार्मिक महत्व तो है ही साथ ही साथ इस का वैज्ञानिक महत्व भी है।

वह कैसे मम्मी जी?

बेटा! शीतला माता चेचक, नेत्रविकार,फोड़े–फुंसी आदि रोगों का निवारण करने वाली देवी मानी जाती हैं जिनके एक में झाड़ू और दूसरे हाथ में जल का कलश है और वह गदर्भ पर सवार हैं। गधा कुम्हार का सबसे उपयोगी पशु है। मतलब माता इंगित करती हैं कि गर्मी का मौसम आ गया है तो मिट्टी के पात्र में रखा शीतल जल पियो और मक्खी–मच्छर इत्यादि के प्रकोप से बचने के लिए साफ सफाई रखो अर्थात झाड़ू का उपयोग करो। साथ ही पाचन तंत्र को गर्मी में दुरुस्त रखने के लिए शीतल जल एवं भोजन का सेवन करो एवं गर्म चीजों का परित्याग करो। भारत की जलवायु गर्म है अतः वैज्ञानिक दृष्टिकोण से भी गर्मी में शीतल भोजन एवं जल उपयुक्त माना जाता है। हमारी हर धार्मिक परिपाटी के पीछे वैज्ञानिक दृष्टिकोण ही परिलक्षित होता है। यह मेरा मानना है।

वाह! मम्मी जी, मान गए आपके सूक्ष्म अवलोकन को।

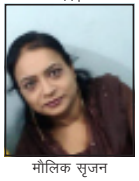

मौलिक सृजन
ऋतु अग्रवाल
मेरठ

प्रदूषण : कारण और निवारण

जैसे–जैसे हम विकास कर रहे हैं वैसे ही प्रदूषण का जहर भी हमारे इर्द–गिर्द फैल रहा है । प्रदूषण कई प्रकार का होता है ! प्रमुख प्रदूषण हैं – वायु–प्रदूषण, जल–प्रदूषण और ध्वनि–प्रदूषण ।

कल–कारखानों का दूषित जल नदी–नालों में मिलकर भयंकर जल–प्रदूषण पैदा करता है। बाढ़ के समय तो कारखानों का दुर्गंधित जल सब नाली–नालों में घुल मिल जाता है। इससे अनेक बीमारियां पैदा होती है।

ध्वनि प्रदूषण की समस्या वहां अधिक होती हैं जहां सघन आबादी होती है, वृक्षों का अभाव होता है और वातावरण तंग होता है।

प्रदूषण के कारण मानव के स्वस्थ जीवन को खतरा पैदा हो गया है। खुली हवा में लम्बी सांस लेने तक को तरस गया है मानव। गंदे जल के कारण कई बीमारियां फसलों में चली जाती हैं जो मनुष्य के शरीर में पहुंचकर घातक बीमारियां पैदा करती हैं।प्रदूषण को बढ़ाने में कल–कारखाने, वैज्ञानिक साधनों का अधिक उपयोग, फ्रिज, कूलर, वातानुकूलन, ऊर्जा संयंत्र आदि दोषी हैं। प्राकृतिक संतुलन का बिगड़ना भी मुख्य कारण है। वृक्षों को अंधा–धुंध काटने से मौसम का चक्र बिगड़ा है। घनी आबादी वाले क्षेत्रों में हरियाली न होने से भी प्रदूषण बढ़ा है।

पर्यावरण वैज्ञानिकों का कहना है कि पिछले कुछ वर्षों में पृथ्वी पर कार्बन डाइऑक्साइड गैस की मात्रा लगातार बढ़ी है। वैज्ञानिकों द्वारा कार्बन डाइऑक्साइड के उत्सर्जन और तापमान वृद्धि में गहरा सम्बन्ध बताया जाता है।

ग्रीन हाउस गैस वो गैस होती है जो पृथ्वी के वातावरण में प्रवेश कर यहाँ का तापमान बढ़ाने में कारक बनती हैं। वैज्ञानिकों के अनुसार इन गैसों का उत्सर्जन अगर इसी प्रकार चलता रहा तो पृथ्वी का तापमान 3 डिग्री से 8 डिग्री सेल्सियस तक बढ़ सकता है। अगर ऐसा हुआ तो इसके परिणाम बहुत घातक होंगे। दुनिया के कई हिस्सों में बिछी बर्फ की चादरें पिघल जाएँगी, समुद्र का जल स्तर कई फीट ऊपर तक बढ़ जाएगा। समुद्र के इस बर्ताव से दुनिया के कई हिस्से जलमग्न हो जाएँगे, भारी तबाही मचेगी। यह तबाही किसी विश्वयुद्ध या किसी 'ऐस्टेरॉइड' के पृथ्वी से टकराने के बाद होने वाली तबाही से भी बढ़कर होगी। हमारे ग्रह पृथ्वी के लिये भी यह स्थिति बहुत हानिकारक होगी। वैश्विक तापन को रोकने का कोई इलाज नहीं है। इसके बारे में सिर्फ जागरूकता फैलाकर ही इससे लड़ा जा सकता है। हमें अपनी पृथ्वी को सही मायनों में 'ग्रीन' बनाना होगा।

हम अपने आस–पास के वातावरण को प्रदूषण से जितना मुक्त रखेंगे, इस पृथ्वी को बचाने में उतनी ही बड़ी भूमिका निभाएंगे। वैश्विक तापन में कमी के लिये मुख्य रूप से सीएफसी. गैसों का उत्सर्जन रोकना होगा और इसके लिये फ्रिज, एयर कंडीशनर और दूसरे कूलिंग मशीनों का इस्तेमाल कम करना होगा या ऐसी मशीनों का उपयोग करना होगा जिससे सीएफसी गैसें कम निकलती हों।

औद्योगिक इकाइयों की चिमनियों से निकलने वाला धुआँ हानिकारक है और इनसे निकलने वाला कार्बन डाइऑक्साइड गर्मी बढ़ाता है। इन इकाइयों में प्रदूषण रोकने के उपाय करने होंगे।

वाहनों में से निकलने वाले धुएँ का प्रभाव कम करने के लिये पर्यावरण मानकों का सख्ती से पालन करना होगा।

उद्योगों और खघसकर रासायनिक इकाइयों से निकलने वाले कचरे को फिर से उपयोग में लाने लायक बनाने की कोशिश करनी होगी और प्राथमिकता के आधार पर पेड़ों की कटाई रोकनी होगी और जंगलों के संरक्षण पर बल देना होगा।

अक्षय ऊर्जा के उपायों पर ध्यान देना होगा यानि अगर कोयले से बनने वाली बिजली के बदले पवन ऊर्जा, सौर ऊर्जा और पनबिजली पर ध्यान दिया जाए तो वातावरण को गर्म करने वाली गैसों पर नियंत्रण पाया जा सकता है तथा साथ ही जंगलों में आग लगने पर रोक लगानी होगी।

अनिता मंदिलवार सपना
अंबिकापुर सरगुजा छत्तीसगढ़।

पड़ोसी देश नेपाल का सिने-इतिहास

दुनिया के अन्य देशों की बनिस्बत नेपाल में स्वतंत्र रूप से फिल्म निर्माण काफी बाद में प्रारंभ हुआ। यहां 'आमा' नामक पहली फिल्म निर्माण एवं 1964 में रिलीज होने के प्रमाण प्राप्त होते हैं। निर्माता नेपाल के राजा महेंद्र थे।नेपाल हिमालय की तलहटी में बसा हमारा पड़ोसी देश है। यहां के सिनेमा को 'नेपाली चलचित्र' तथा 'कोलीवुड' के नाम से जाना जाता है। 'कोलीवुड' नाम 'हॉलीवुड', 'बॉलीवुड' तथा 'टॉलीवुड' की तर्ज पर पड़ा है। चूंकि नेपाल में नेपाली, मैथिली तथा भोजपुरी कई भाषाएं बोली जाती हैं, अतरू यहां सिनेमा भी कई भाषाओं में बनता है दुनिया के अन्य देशों की बनिस्बत नेपाल में स्वतंत्र रूप से फिल्म निर्माण काफी बाद में प्रारंभ हुआ। यहां 'आमा' नामक पहली फिल्म निर्माण एवं 1964 में रिलीज होने के प्रमाण प्राप्त होते हैं। निर्माता नेपाल के राजा महेंद्र थे। इसका निर्माण इंफॉरमेशन डिपार्टमेंट ऑफ हिस मेजेस्ट्री'ज गवर्मेंट ऑफ नेपाल के तहत हुआ था। आज इस विभाग को 'इंफॉरमेशन डिपार्टमेंट ऑफ गवर्मेंट ऑफ नेपाल' कहा जाता है।अपने देश की सेना से घर लौटे युवा सैनिक की कहानी वाली इस फिल्म का निर्देशन हीरा सिंह खत्री ने किया था और मुख्य भूमिकाएं शिव शंकर तथा भुवन थापा ने की थीं। इसके साथ इसमें बसुन्धरा भुसाल, हीरा सिंह खत्री तथा हरि प्रसाद रिमल ने भी अभिनय किया था। इन्हें ही नेपाल सिने–इतिहास में प्रथम अभिनेता होने का खिताब भी प्राप्त है। लेकिन 'आमा' का पोस्ट–प्रोडक्शन तथा इंडोर शूटिंग कलकत्ता में हुई थी। 1966 में रिलीज 'माइतीघर' 'माइतीघर' नेपाल में निजी निर्माण की पहली फिल्म कही जाती है। इसका लेखन और निर्देशन बी. एस. थापा ने किया था और यह 1966 में रिलीज हुई थी। मुख्य पात्र माया का अभिनय भारतीय अभिनेत्री माला सिन्हा ने किया साथ में मोहन की भूमिका में चिदम्बर प्रसाद लोहानी थे।

सुमान्जलि फिल्म्स प्राइवेट लिमिटेड के बैनर तले बनी इस फिल्म में माया को जेल हुई है और जो कैद पूरी होने के बाद बाहर नहीं जाना चाहती है और अपनी जटिल कहानी जेलर को सुनाती है, की कथा को गूंथा गया है।

फिल्म में माला सिन्हा के अभिनय को दर्शकों तथा समीक्षकों द्वारा सराहा गया। फिल्म में परदे पर थोड़ी देर के लिए सुनील दत्त भी आते हैं। हंसाने के लिए राजेंद्र नाथ हैं, इसका संगीत प्रसिद्ध संगीतकार जयदेव ने दिया है तथा पार्श्व गीत लता मंगेशकर, आशा भोसले, उषा मंगेशकर तथा मन्ना डे ने गाए हैं। इनके साथ नारायण गोपाल, प्रेम धोज प्रधान, सी.पी.लोहानी, अरुणा लामा नेपाली गायक भी थे। फिल्म के सिनेमाटोग्राफर के.एच. कपाड़िया थे।

1971 में नेपाल में रॉयल नेपाल फिल्म कॉरपोरेशन की स्थापना हुई। इसने 'मनको बांध', प्रथम रंगीन फिल्म 'कुमारी', 'सिंदूर', 'जीवन रेखा' आदि फिल्मों का निर्माण किया। प्रकाश थापा के निर्देशन में 'मनको बांध' बनी, जिसमें सल्यान के. सी., सुषमा शशि, नीर बिक्रम शाह ने अभिनय किया था, जिसका लेखन श्रीधर खनल ने किया था। इसका संगीत अम्बर गुरुंग ने दिया तथा कैमरा बैकुंठ मन मस्की ने संभाला था। यह काठमांडू में 1973 को रिलीज हुई।

नेपाल की पहली रंगीन फिल्म 'कुमारी' बिजया बहादुर माला की कहानी पर आधारित है जिसकी स्क्रिप्ट प्रेम बहादुर बासनेट ने लिखी। संवाद प्रदीप रिमल के हैं। फिल्म नेपाल की नेवार समुदाय की कहानी कहती है। फिल्म 'सिंदूर' कहानी है एक युवती (मीनाक्षी राणा) की जो जिंदगी में अपनी राह खोज रही है। वह समाज के दकियानूसी रिवाजों से संघर्ष करती है। इसी तरह 1982 में निर्देशक प्रकाश थापा ने 'जीवन रेखा' निर्देशित की इस फिल्म को केशव राज पिंडाली ने लिखा है और इसमें शिव श्रेष्ठ, मेनाक्षी आनंद तथा अर्जुन जंग शाही ने अभिनय किया है।

इसके बाद माओवादी आंदोलन के समय नेपाली सिनेमा की काफी हानि हुई। इस दौरान बहुत कम फिल्में बनीं। आर्थिक, तकनीक तथा कलात्मक सब दृष्टि से नेपाली सिनेमा एक तरह से रुक गया। यहां तक कि दर्शकों की संख्या भी घट गई। एक और बात ध्यान देने की है। नेपाली सिनेमा के कई पक्षों में शुरू से भारत का योगदान रहा है। अभिनेता, तकनीशियन, संगीतकार, गीतकार सबमें भारत का सहयोग उसे मिला है। भारत का बॉलीवुड सिनेमा काफी चमक–दमक के कारण नेपाल के सिनेमा को प्रभावित करता रहा है। कई बार नेपाली सिनेमा उसकी नकल करता रहा है। नेपाली सिनेमा को इससे उबरना होगा और अपनी एक अलग पहचान कायम करनी होगी। नई सदी के साथ नेपाली सिनेमा पुनरू उठ खड़े होने का प्रयास कर रहा है। सदी के पहले दशक में यहां 'दर्पण छाया', 'जिंदगानी' जैसी फिल्में बनी जिन्होंने अच्छा व्यापार किया। 'दर्पण छाया' का निर्देशन तुलसी घिमिरे ने किया और इसमें दिलीप रायमाझी तथा निरुता सिंह ने भूमिकाएं की। इसका संगीत आज भी लोकप्रिय है। 'जिंदगानी' के निर्देशक उज्जवल घिमिरे हैं।

दहेज बेहया हो गया

कहानी

हमारे शादी में पिता जी ने सिर्फ पांच हजार रुपया मांगा था।

मगर शादी में दहेज चार हजार रुपया और सीकड़ अंगुठी ही मिला।

मेरी शादी की चालीस साल बाद जब मैं अपनी बेटी की शादी खोजने लगा तो हर जगह दहेज के भूखे भेड़िए बस लाख पन्द्रह लाख मांगने लगे आखिर कार बारह लाख दे कर अपनी बेटी की शादी कर दी।

आज दहेज की मांग इतनी बढ़ गई कि पचास लाख से एक करोड़ तक पहुंच गई। पहले घर से शादी हो जाती थी आज मंहगा से मंहगा मैरेज हाल या होटल से हो रही है। सेठ धर्मदत्त ने शादी का रिकार्ड ही तोड़ अपनी बेटी की शादी बहुत मंहगे में कर के सार रिकार्ड तोड़ दिया। बेटी को दहेज में एक करोड़ रुपया नगद और पांच सौ ग्राम सोने का सामान दे कर दहेझ की मांग को आसमान तक पहुंचा दिया।

शादी भी शहर के फाइव स्टार होटल से की और खाने में शाकाहारी मांसाहारी दोनों की व्यवस्था थी।

इतना ही नही उन्होंने ने दस लाख रुपया बेटी के नाम से डाकघर में फीक्स कर दिया। हर बाराती को एक सेट सूट का कपड़ा और एक एक चांदी का सिक्का दिया।

शादी में जितने भी लोग आए सबको एक एक पानी का बड़ा वाला

पानी का टंकी गिफ्ट में दिया

इस शादी की खबर अखबार में भी प्रकाशित हु आ ।

आज पैसे वाले ने शादी को इतना खर्चीला और मंहगा कर दिया कि गरीब की बेटी की शादी

होना मुश्किल हो गई है।

आज अमीर लोग शादी में इतना दिखावा कर रहे हैं कि देखने वालों का होश उड़ जा रहा है।

आज शादी का रित रिवाज सब बदल गया है ।बस दिखावा भर रह गया है।

शादी को दहेज मुक्त करने का सरकारी फरमान हवा हवाई हो गई है। आज न दहेज लेने वाले पकड़े जा रहे हैं न देने वाले पकड़े जा रहे हैं।

राधा के पिता शहर के मेयर थे उन्होंने अपनी बेटी की शादी में साठ लाख की कार और एक करोड़ रुपया नगद दे कर साबित कर दिया कि इस शहर में हमसे ज्यादा दहेज किसी ने नहीं दिया।

आज कल शहर में दहेज वाली शादी का रिकार्ड टूट रहा है। बड़े होटल मैरेज हाल की बुकिंग छ माह पहले हो जा रही है।

पहले बैठा कर खाना खिलाने का चलन था फिर वफा सिस्टम से खाना खिलाया जाने लगा और आज हर होटर मैरेज हाल में

जवान खूब लड़किया खाना नास्ता खिला रही हैं।

वीडियो कैमरा फेल होते ही डोन कैमरा से शादी का सिन सूट हो रहा है। वीडियो कैसेट का जमाना लद गया।

पहले पर्दे में रह कर शादी होती थी। मगर आज जिस्म की नग्न धड़ंग पदर्शेन कर के शादी हो रही है। जिसे देखने में शर्म आती है। मगर किया क्या जाए फुहड़ गानों पर एक साथ हाथ पकड नाचा डांस किया जा रहा है।

आज लोगों को शादी में फुहड़ गानों को सुनने की आदत पड़ गई है।

अब हम इस बदलती शादी से शायद ही छुटकारा पा सकें। आगे और भी मंहगी शादी देखने को मिलेगी। और फुहड़ता भी इससे हम कैसे बचे एक सवाल बन कर सामने खड़ा है।

बद्री प्रसाद वर्मा अनजान
गल्ला मंडी गोला बाजार
273408 गोरखपुर उ प्र
मोबाइल 9838911866

मिलकर हक के लिए लड़ेंगे तो मंजिल पास होगी!

राजनीति में आपका किसी से दोस्ताना संभव हो सकता है, यह लोकल स्तर पर हो सकता है, खास पद चुनाव तक सीमित हैं, कल पदधविभाग रहे या ना रहे। विसभा चुनाव सामने हैं हो सकता है दोबारा मौका या वह खास पद मिले ना मिले। कई बार खास के खासम खास भी स्वागत, आवभगत में मशगूल हो जाते हैं मगर पेंशनर्स के काम नहीं करा पाते। साल दो साल से देख रहे हैं किसी को मुखिया जी से चर्चा का मौका मिला? किसी को बुलाकर सारे पाइंट्स पर चर्चा कर निराकरण किया गया। जवाब नहीं में होगा। ना सीएम से चर्चा हुई, ना पीएस से, आश्वासन लेकर, मन समझाने से क्या फायदा, जब ढंग से प्रेशर बनता तो गलबहियां वाले ही प्रेशर तोड़ देते हैं हीले हवाले देकर और प्रेशरयुक्त टायर पंचर हो जाता हैं। बाद में पंचर बनवाकर फिर हवा भरकर नया प्रेशर बनाया जाता है। एमडी, सीएमडी के पास पावर नहीं पेंशनर्स की सारे मुद्दे खत्म कर दें, मंत्रीजी भी आंदोलनों को शांत करने का भरसक प्रयास करने के बाद भी संपूर्ण मुद्दों को टालने का प्रयास करते रहे, हो सकता हैं उनके प्रयास सिद्ध नहीं हो सके अर्थात उन तक भी सफलता नहीं मिली। सफलता तब मिलती जब मुख्यमंत्री से चर्चा होती, पीएस के माध्यम से व इनके माध्यम से इन मुद्दों पर चर्चा होती सभी प्रभावशाली नेतृत्व के साथ ना की अलग–अलग । सभी अपने अपने अलग–अलग मुद्दों को लाकर उसमें गुम हो जाते हैं।

मुद्दे शार्ट, संक्षिप्त हों, सम्मिलित हों मगर लंबी बातें, मुख्य मुद्दों से हटकर बातें ना शामिल हो। पहले एक हो जाओ। समान कदम लेकर प्रेशर बनाओ। आपको सफलता मुख्यमंत्री, पीएस के माध्यम से ही मिलेगी, दबाव बनेगा तो समस्या के हल के लिए उनकी बेरुखी, मजबूर हो सकती है, सकारात्मकता की ओर निश्चित है। युवातुर्क भी चाहिए, बुजुर्ग युवा भी चाहिए और ऊर्जावान नवयुवा भी चाहिए। बहुत से मोती हैं जो चाहे चुन लें। मगर भीड़ में भी कुछ चर्चित हैं सक्रियता हैं, वे यह भी समझ लें पर्दे के आगे पीछे मंच के साथ कुछ चितेरे हैं जो अत्यंत गतिशील हैं उन्हें नहीं भूलते हुए इंदौर, भोपाल, ग्वालियर, जबलपुर के पेंशनरों के संगठन के नेतृत्व अपनी टीम के साथ अन्य जो भी पेंशनर संगठन हैं उन्हें जोड़कर एक जाईंट फ्रंट जैसा कुछ एका बना सकते हैं और नियमितों के याने अन्य संगठनों का समर्थन सहयोग लेकर आगे सार्थक संघर्ष पेंशनर्स की मूल व अन्य समस्याओं की लड़ाई को जीतकर दिखा सकते हैं मगर श्रेय लेने की हठलीला से बचकर, सभी को श्रेय देवे, यही बड़प्पन होगा !

– मदन वर्मा माणिक
इंदौर, मध्यप्रदेश
मो.6264366070

हमें सभी योग्य लीडर्स को साथ रखना, मार्गदर्शन लेना, पूर्ण सम्मान देना, फिर चाहे वह किसी भी संघ का हो, किसी भी उम्र का हो, जिसमें कोई अहम, वहम, भ्रम ना हो समग्र का भला चाहता हो ऐसे सभी मिलनसार गुणीजनों का साथ लेना होगा तभी विद्युत व अन्य क्षेत्र के पेंशनर्स समाज का भला हो सकेगा।

साफ कहना होगा कि म.प्र. के विद्युत पेंशनर्स नेतृत्व यदि एकसाथ मिलकर हक के लिए लड़ेंगे तो मंजिल पास होगी और शीघ्र हासिल होगी। ऐसा मेरी कलम सोचती हैं।

जो अपने सामने किसी को नहीं समझते, ऐसा दंभ दाहक होता है, नेताओं को दूध में पानी की तरह घुलमिल–घुलमिल जाना चाहिए।पेंशनर्स सारे एकजुट हो, कामन प्रोग्राम, कामन ऐजेंडा हो और टूकडे–टुकडे रूप में संघर्ष के बजाए मिलकर हक के लिए आगे बढ़ेंगे तो मंजिल पास भी होगी और हासिल भी होगी।

विशेष रुप से सारे योग्यता धारी आगे आएँ, अन्य लोग साथ नहीं देते, आलोचना करते हैं, हमारे आंदोलन को तोड़ते हैं, अभी तक ऐसा होता रहा यह बंद होना चाहिए।

2024 में तानाशाही केंद्र सरकार को सबक सिखाएगी जनता : इमरान प्रतापगढ़ी

अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी अल्पसंख्यक विभाग नेशनल एग्जीक्यूटिव मीटिंग ,दिल्ली पंद्रह जीआरजी ऑफिस कार्यालय पर संपन्न हुई, जिसमें प्रमुख अतिथि के रूप में राज्यसभा सांसद प्रमोद तिवारी ,कांग्रेस की राष्ट्रीय प्रवक्ता श्रीमती सुप्रिया श्रीनेत , नेशनल कोऑर्डिनेटर ऑल इंडिया एआईसीसी कांग्रेस कमिटी के के राजू माइनॉरिटी डिपार्टमेंट के राष्ट्रीय सचिव फरहान आजमी उपस्थित थे। इस मौके पर माइनॉरिटी डिपार्टमेंट के राष्ट्रीय अध्यक्ष राज्यसभा सांसद इमरान प्रतापगढ़ी ने केंद्र सरकार के ऊपर हमला बोलते हुए कहा कि आज हमारे देश की हालात आजादी के पहले जो गुलामी का दौर था उस दौर से गुजर रहा है केंद्र की सरकार महंगाई पर महंगाई बढ़ाती जा रही है। गरीबों के सामने से अच्छे भोजन दूर होते जा रहे हैं ,वही यह सरकार विपक्षी पार्टियों के नेताओं के ऊपर ईडी, सीबीआई का गलत दुरुपयोग कर, विपक्षी नेताओं को परेशान कर रही हैं। आज देश का माहौल बहुत ही बुरे दौर से गुजर रहा है । उन्होंने कहा कि माइनॉरिटी डिपार्टमेंट के सभी राज्यों के चेयरमैन, नेशनल पदाधिकारियों से मेरा आग्रह है कि आने वाले 2024 के लोकसभा चुनाव में इस तानाशाही सरकार को उखाड़ फेंकने का काम करें । राष्ट्रीय सचिव माइनॉरिटी डिपार्टमेंट के फरहान आजमी ने कहा कि हमारे देश में सदियों से हिंदू मुस्लिम आपस में भाईचारा बनाकर रहते थे। एक दूसरे के त्यौहार में अपना त्यौहार समझकर शरीक होते थे, लेकिन यह सरकार हमारे इस गंगा जमुनी तहजीब को मिटाने पर लगी है और हिंदू मुस्लिम में लड़ाने की जो षड्यंत्र कर रही है, हम इसको नाकाम करके रहेंगे। अपने देश की गंगा जमुनी तहजीब को वापस से भाई चारे के साथ इस देश में लाएंगे और इस तानाशाही सरकार को आने वाले लोकसभा चुनाव में उखाड़ फेंकेंगे। इस अवसर पर सभी राज्यों के चेयरमैन राष्ट्रीय पदाधिकारी राष्ट्रीय सदस्य इस नेशनल एग्जीक्यूटिव मीटिंग में उपस्थित थे।

विप्र महासभा द्वारा अंतराष्ट्रीय महिला दिवस पर मधु शर्मा को किया सम्मानित

जयपुर राजस्थान।अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर विप्र महासभा महिला प्रकोष्ठ द्वारा आयोजित मातृशक्ति सम्मान समारोह में मधु शर्मा राष्ट्रीय उपाध्यक्ष विप्र सेना को सामाजिक सेवा कार्य के लिए विप्र महासभा की पदाधिकारी हर्षिता शर्मा एम किरण शर्मा द्वारा सम्मानित किया गया इसमें पुलिस महा निर्देशक जगदीश , महानिदेशक रिटायर्ड दिनेश विप्र महासभा के संग रक्षक रिटायर्ड एसपी नटवर शर्मा विप्र महासभा के संरक्षक रिटायर्ड एसपी नटवर शर्मा ,प्रशासनिक अधिकारी पंकज ओझा परशुराम सेना के अध्यक्ष एडवोकेट अनिल चतुर्वेदी आदि उपस्थित रहे।

प्रणम्य को प्रणाम पुस्तक से मिलेगी आने वाली पीढ़ियों को भी प्रेरणा : प्रो. सोमनाथ सचदेवा

कुरुक्षेत्र, । वैद्य पण्डित प्रमोद कौशिक।

तीन दर्जन से अधिक पुस्तकें लिख डा. जय भगवान सिंगला की प्रणम्य को प्रणाम पुस्तक अपने आप में विशेष रू प्रो. सोमनाथ सचदेवा ।प्रणम्य को प्रणाम पुस्तक का प्रेरणा वृद्धाश्रम में हुआ लोकार्पण। प्रेरणा वृद्धाश्रम के ऑडिटोरियम में विख्यात साहित्यकार एवं प्रेरणा वृद्धाश्रम के संस्थापक डा. जयभगवान सिंगला द्वारा लिखित पुस्तक प्रणम्य को प्रणाम का लोकार्पण मुख्य अतिथि के तौर पर कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा द्वारा किया गया। इस मौके पर कुलपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा के साथ उनकी धर्मपत्नी डा. ममता सचदेवा भी मौजूद थी। कार्यक्रम की अध्यक्षता कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय हिंदी विभाग के पूर्व अध्यक्ष एवं विख्यात साहित्यकार प्रो. लालचंद गुप्त मंगल ने की। लोकार्पण समारोह के मुख्य वक्ता बाबा मस्तनाथ विश्वविद्यालय रोहतक के हिंदी विभाग के अध्यक्ष प्रो. बाबू राम एवं सूर पुरस्कार से अलंकृत डॉ. मधु कांत मौजूद रहे। पुस्तक के लोकार्पण से पूर्व सभी अतिथियों ने प्रेरणा वृद्धाश्रम में स्थित शहीदी स्मारक पर देश के शहीदों को श्रद्धा पुष्प अर्पित किए और उसके उपरांत मंदिर में पूजा अर्चना की। पुस्तक के लोकार्पण के बाद सम्बोधन में कुलपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा ने कहा कि डा. जय भगवान सिंगला करीब तीन दर्जन से अधिक पुस्तकें लिख चुके हैं लेकिन प्रणम्य को प्रणाम पुस्तक अपने आप में विशेष है। यह पुस्तक समाज को प्रेरणा देने वाली है। यह पुस्तक करीब 4 सौ पेजों की है। प्रो. सचदेवा ने कहा कि आने वाली पीढ़ियों का मार्गदर्शन करेगी। कुलपति ने स्व. लाला राम सिंगला के जीवन पर लिखी पुस्तक के कई पहलुओं पर चर्चा की। प्रणम्य को प्रणाम पुस्तक के लेखक डा. जय भगवान सिंगला ने कहा कि आज उनके जीवन की बहुत ही बड़ी तमन्ना पूर्ण हुई है। उन्होंने केवल अपने पिता स्व. लाला राम सिंगला के जीवन पर एक पुस्तक लिखने का प्रयास किया था जो एक ग्रंथ का रूप ले गई है। यह उनको एक श्रद्धांजलि का प्रयास है। डा. जय भगवान की पुस्तक लेखन में सहयोग करने वाले सहित्यकारों एवं हस्तियों को सम्मानित भी किया गया। जिन में प्रमुख तौर पर मुख्य अतिथि कुलपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा ने रामलाल सिंगला, मीरा गौतम, कनिका, कपिल गुप्ता कैथल, मोनिका, दिनेश कुमार कैथल, आचार्य हरीश झांसी, हरदेव शास्त्री, संगीता बिंदल, पीतांबर नोएडा, नीरू मित्तल पंचकूला, डा. विपिन गुप्ता रोहतक, डा. रमाकांत रोहतक, मलाल कौशल रोहतक इत्यादि को सम्मानित किया। प्रख्यात शिक्षाविद स्व. डा. हिम्मत सिंह सिन्हा के नाम का सम्मान उनके पुत्र प्रेम शुक्ला को दिया गया। कार्यक्रम में पुस्तक की समीक्षा पढ़ने वालों में डा. अशोक मंगलेश चरखी दादरी एवं डा. सीडीएस कौशल कुरुक्षेत्र प्रमुख रहे। कार्यक्रम में आए हुए अतिथियों का प्रेरणा संस्था की अध्यक्ष रेनू खुंगर ने धन्यवाद किया। मंच संचालन डा. विजय दत्त शर्मा पूर्व निदेशक हरियाणा ग्रंथ अकादमी पंचकूला ने किया। इस अवसर पर कार्यक्रम में हरिकेश पपोसा, केशव मेहता, सुरेखा ,अंबाला से भारती धीमान, डा. रतन चंद सरदाना, शकुंतला शर्मा, अन्नपूर्णा शर्मा, राधा अग्रवाल, डा. ममता सूद, आशा सिंगला, शिल्पा सिंगला, आदित्य सिंगला इत्यादि भी मौजूद रहे। विख्यात साहित्यकार एवं प्रेरणा वृद्धाश्रम के संस्थापक डा. जयभगवान सिंगला की पुस्तक का विमोचन करते हुए अतिथि ।

मुंबई में खुला डॉ विनोद कुमार का ज्योतिष कार्यालय

ग्रह नक्षत्रों की चाल से, शुभ अशुभ से, हानि लाभ का उपाय व लोगों का कष्टों से मुक्ति के लिए, सहारा स्टार होटल मुम्बई में सेवा हेतु डॉ विनोद आचार्य के ज्योतिष कार्यालय का उद्घाटन देवी मंत्रोचारण से किया गया।आचार्य के पिताजी विनोद कुमार ने दीप प्रज्वलन किया। फिल्म सितारों से लेकर कई फिल्मी हस्तियों ने कार्यक्रम में शिरकत किया। फिल्मी दुनियां की कई हस्तियों ने आचार्य विनोद द्वारा बताए गए उपायों से अपनी सफलता की चर्चा भी मीडिया से की।

वैष्णव बैरागी ब्राह्मण समाज का होली मिलन समारोह धूमधाम से मनाया गया

– दो पूर्व मंत्रियों ने होली मिलन समारोह में की सहभागिता

मथुरा अखिल भारतीय वैष्णव बैरागी चतुर्थ संप्रदाय कल्याण समिति मथुरा का होली मिलन समारोह गंगा गार्डन बीएसए इंजीनियरिंग कॉलेज के पास भव्य एवं दिव्य तरीके से आयोजित किया गया। इस होली मिलन समारोह में यूपी दिल्ली हरियाणा और राजस्थान के वैष्णव बंधु पहुंचे और वैष्णव समाज के पदाधिकारियों द्वारा सभी का फूल माला व साफा बांधकर स्वागत सम्मान किया गया। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता महेंद्र प्रताप फौजी द्वारा की गई। इसके मुख्य अतिथि रमेश चंद शर्मा दिल्ली वाले रहे ।इस होली मिलन समारोह में वरिष्ठ अतिथि पूर्व मंत्री एवं मथुरा वृंदावन विधायक श्रीकांत शर्मा व पूर्व शिक्षा मंत्री पंडित श्याम सुंदर शर्मा भी पहुंचे ।उन्होंने कहा कि होली की सार्थकता जोड़ने में है। जो समाज को जोड़ने का काम करें वही होली मनाने का हकदार है वही दूसरे पूर्व ऊर्जा मंत्री व मथुरा विधायक श्रीकांत शर्मा भी पहुंचे । जिन्होंने स्वागत सम्मान से अभिभूत होकर सभी को होली मिलन की बधाई दी। इस मौके पर एडवोकेट रामनिवास शर्मा एडवोकेट नंदकिशोर शर्मा एडवोकेट विष्णु शर्मा कन्हैया लाल हाकिम सिंह कटैला ,सत्य प्रकाश शर्मा, फत्ते राम ,रमेश फौजी सत्य प्रकाश शर्मा रामजीत कोसी, घूरेलाल बाजना ,राधेश्याम टेलीफोन वाले ,राजकुमार ठेकेदार ,देवेंद्र अस्तल, पूरन दास शर्मा डॉक्टर ईश्वर चंद निरंजन प्रसाद नवल किशोर शर्मा फौजी ओमप्रकाश भरतपुर ,पीपी शर्मा प्रेमहरि आगरा ,भगवान स्वरूप खदोली ,ब्रह्मदत्त नोएडा व कैलाश वैष्णव एवं यतीश कुमार कन्हैयालाल पिपरौली रमेश चंद चंदरवन वरिष्ठ पत्रकार लक्ष्मीकांत शर्मा चंदू मलिकपुर दाऊ दयाल जगदीश आदि वैष्णव बंधु उपस्थित रहे और होली के भजन व रसियाओं के साथ सभी ने फूलों की होली खेली और एक दूसरे को बधाई दी एडवोकेट रामनिवास शर्मा ने कार्यक्रम के बाद में सभी का धन्यवाद ज्ञापित किया।

जननायक कर्पुरी ठाकुर के पदाधिकारियों की शिष्टाचार मुलाकात

महानगर के उल्हासनगर नंबर 4 ,जिला ठाणे में सामाजिक कार्यों में अभिरुचि रखने वाले सामाजिक व्यक्तियों से जननायक कर्पूरी ठाकुर सेवा समिति के पदाधिकारी संतोष निरंकार शर्मा एवं मार्गदर्शक वरिष्ठ समाजसेवी श्याम नारायण शर्मा (नेताजी) एक शिष्टाचार मुलाकात करने पहुंचे। उल्हासनगर नंबर 4 के सामाजिक कार्यकर्ताओं ने उक्त महानुभावों का सम्मान देते हुए सत्कार किया। सामाजिक पृष्ठभूमि की रूपरेखा रखते हुए उपस्थित सभी सामाजिक बंधुओं ने प्रस्ताव रखा जिस पर घंटों उस विषय पर परिचर्चा हुई। संतोष निरंकार शर्मा ने सबके नेता,राष्ट्रीय कवि विनय शर्मा दीप को यहः बात बताते हुए कहा उल्हासनगर से सन्तोष कुमार शर्मा,रामआसरे शर्मा,राजेन्द्र प्रसाद शर्मा,आर.के. शर्मा,अनिल कुमार शर्मा, प्रकाश शर्मा,राहुल शर्मा,राजेश शर्मा,पवन शर्मा,अमित शर्मा,मोनू शर्मा,सुरेन्द्र शर्मा आदि प्रमुख रूप से थे।

काव्यसृजन द्वारा हुआ होली मिलन सम्मान समारोह एवं कवि सम्मेलन

साहित्यिक, सामाजिक,सांस्कृतिक एवं शैक्षणिक राष्ट्रीय पंजीकृत संस्था काव्यसृजन विगत कई वर्षों से होली मिलन समारोह आयोजित कर साहित्य की धरा पर अपनी आहुति देने वाले महान विभूतियों को सम्मानित कर गौरवान्वित करती आ रही है ।संस्था के संस्थापक अध्यक्ष शिव प्रकाश जमदग्निपुरी ने मीडिया प्रभारी कवि पत्रकार विनय शर्मा दीप को बताया कि वर्ष 2023 होली मिलन एवं सम्मान समारोह रविवार 12 मार्च 2023, विरुंगला केंद्र हाल,इंदिरा गांधी हास्पीटल, मीरारोड,ठाणे(मुंबई) में आयोजित किया गया ।डॉ कुसुम तिवारी झाल्लीझी की अध्यक्षता प्रा. अंजनी कुमार द्विवेदी जी का दमदार ओजपूर्ण संचालन मुख्य अतिथि आ.संजय द्विवेदी विशिष्ट अतिथि डॉ नीलिमा पाण्डेय ष्नलिनीष्डॉ विजयनाथ मिश्र,आ. छगनलाल मुथ्वाजी की गरिमामय उपस्थिति आयोजन की गरिमा बढ़ा रही थी होली गीतों से सुसज्जित आयोजन की शुरुआत सरस्वती पूजन वंदन के बाद सम्मान समरोह से शुरू हुआ।जिसमें काव्य –सृजन के सर्वोच्च सम्मान ष्काव्यसृजन रत्नाकरष से संस्था के सभी पदाधिकारियों ने मिलकर भारतीय जन भाषा प्रचार समिति ठाणे के अध्यक्ष,उत्कृष्ट साहित्यकार रामप्यारे रघुवंशी को दिया ।इस वर्ष 8 वें होली स्नेह मिलन एवं सम्मान समारोह में रामप्यारे रघुवंशी जी के साथ साहित्य,समाज और सांस्कृतिक विभाग से उपस्थित विभूतियों को सम्मानित भी किया,जिसमें डॉ आर के द्विवेदी को ष्साहित्य गौरवष,आ.तरुण तनहा को ष्युवा साहित्य रत्नष,आ.अवधेश विश्वकर्मा श्नमनश को ष्साहित्य कलाधरष,सौ.रीता कुशवाहा को ष्महिला साहित्य रत्नष, सुरेंद्र दुबेष् जौनपुरीष् को ष्साहित्यसेवी सम्मानष; आ.राहुल सिंहश्ओजश को ष्भारत भारतीष् सम्मान, दूरदर्शन–टी.वी.9 के पत्रकार आ. आनंद पाण्डेय को ष्पत्रकारिता रत्नष् एवं आ.विक्रम सिंह को शिवसेना नेता ष्आजनीति सेवा रत्नष्से सम्मानित किया गया ।सम्मान पुष्प गुच्छ,अंगवस्त्र एवं प्रतीक चिन्ह से मुंबई,ठाणे,नवी मुंबई से उपस्थित कार्यक्रम की शोभा बढ़ाने वाले वरिष्ठ एवं उत्कृष्ट साहित्यकार अतिथियों की उपस्थिति में किया गया। संस्था मंच पर आसीन सभी अतिथियों का सम्मान अंग वस्त्र पुष्प गुच्छ देकर किया तथा संस्था के अध्यक्ष पं.जमदग्निपुरी जी ने अपनी संस्था के पदाधिकारियों को नियुक्ति पत्र देकर सम्मानित किया। सम्मान समारोह एवं कवि सम्मेलन में उपस्थित साहित्यकारों में संजय द्विवेदी,छगनलाल मुथा, कुसुम तिवारी झल्ली, नीलिमा दुबे पांडे, विजय नाथ मिश्र, लाल बहादुर यादव कमल, विनय शर्मा दीप, कविता पटेल, रीता कुशवाहा, अर्चना उर्वशी, जिलाजीत यादव, रामस्वरूप साहू स्वरूप, श्रीधर मिश्र आत्मिक, सत्यदेव विजय, कुलदीप शर्मा, माता प्रसाद शर्मा, डॉ प्रमोद पल्लवित,मृदुला मिश्रा,सत्यवती मौर्य, सत्येंद्र कुमार, अवधेश विश्वकर्मा, वीरेंद्र कुमार यादव, राहुल सिंह ओज,लक्ष्मीकांत कमलनयन, सुरेंद्र दुबे,बी.के.दवे,हरि प्रसाद राय आनंद पांडे केवल, अरुण तन्हा, सौरभ दत्ता,शिव प्रकाश जमदग्नि पुरी, अशोक राय, डॉक्टर वर्षा सिंह,खुशी झा मृदुल तिवारी महक वाचस्पति तिवारी आदि ने काव्य पाठ के साथ–साथ होली की शुभकामनाएं दी ।सभी साहित्यकारों ने एक दूसरे को मंत्रमुग्ध कर दिया ।अंत में लालबहादुर यादव (संस्था सचिव) ने आभार व्यक्त किया और साथ में राष्ट्रगान करते हुए कार्यक्रम का समापन किया।

श्रीराम जन्मभूमि मंदिर दर्शन के साथ श्रीराम ग्लोबल अवार्ड का कार्यक्रम बनाया पीडब्ल्यूएस परिवार

पीडब्ल्यूएस परिवार ने राष्ट्रीय अयोध्या सम्मेलन को दिव्य बनाने हेतु श्रीराम जन्मभूमि मंदिर अयोध्या के दर्शन के साथ श्रीराम ग्लोबल अवार्ड का कार्यक्रम सुनिश्चित किया है। उपरोक्त की जनकारी देते हुए पीडब्ल्यूएस प्रमुख आर के पाण्डेय एडवोकेट ने बताया कि आगामी 4 मई 2023 को संगठन के राष्ट्रीय अयोध्या सम्मेलन में संगठन से जुड़े भारत वर्ष के सभी राज्यों के साथी उपस्थित रहेंगे अतयेव उस पावन दिन पर श्रीराम जन्मभूमि मंदिर अयोध्या दर्शन के साथ संगठन ने मंदिर लोकार्पण, पत्रिका विमोचन, श्रीराम ग्लोबल अवार्ड, पीडब्ल्यूएस परम रत्न सम्मान व राष्ट्रीय अधिवेशन का भी कार्यक्रम सुनिश्चित किया है।

द्राक्षारत्न अलंकरण साहित्यकार डा. सविता चड्ढा को

बुरहानपुर। ताप्ती सृजन पीठ एवं वनमाली सृजन केंद्र के संयुक्त तत्वाधान में वरिष्ठ साहित्यकार संतोष परिहार का सृष्टि वैभव उत्सव राजस्थान भवन में 11 मार्च 2023 को आयोजित किया गया। इस अवसर पर संतोष परिहार द्वारा अपनी मातुश्री द्राक्षाबाई बजरंगलाल परिहार की स्मृति में द्राक्षारत्न अलंकरण से नई दिल्ली से पधारी डॉ. सविता चड्ढा,वरिष्ठ साहित्यकार को अलंकृत किया गया। मुख्य अतिथि श्रीमती अर्चना चिटनीस, पूर्व विधायक, साहित्यकार डा. सविता चडढा, विशेष अतिथि श्रीमती तारिका ठाकुर वीरेंद्र सिंह,महापौर श्रीमती माधुरी अतुल पटेल,पूर्व महापौर,अतुल पटेल,डॉ. कल्पना पांडे नवग्रह नोएडा, शरद जैन खंडवा में अपने विचार रखें। सत्र का सफल संचालन संदीप शर्मा निर्मल ने किया। आभार नंदकिशोर जांगड़े ने व्यक्त किया ।उल्लेखनीय है कि द्राक्षा रत्न सम्मान से अलंकृत डॉ. सविता चड्ढा एक संवेदनशील और जागरूक लेखक हैं जिन्होंने साहित्य की विभिन्न विधाओं में लिखकर अपने विशिष्ट पहचान बनाई है। 28 अगस्त, 1953 को जन्मी श्रीमती सविता चड्ढा ने उच्च शिक्षा प्राप्त की है। एम. ए. अंग्रेजी, एम. ए. हिंदी, के साथ–साथ आपने पत्रकारिता, विज्ञापन और जनसंपर्क में डिप्लोमा और दो वर्षीय कमर्शियल प्रैक्टिस डिप्लोमा, प्रथम डिवीजन में विशेष योग्यता के साथ पास किया है। आपने 1982 से लेखन कार्य कर अपनी अलग पहचान बनाई हैं। आपकी 50 पुस्तकें (जिनमें 12 कहानी संग्रह, 5 बाल पुस्तकें, 9 लेख संग्रह, 2 उपन्यास, 10 काव्य संग्रह तथा 12 पत्रकारिता पर पुस्तकें) प्रकाशित हो चुकी हैं। आपकी 8 बाल कहानियां एनसीआरटी दवारा पाठ्यक्रम में चयनित हैं। आपकी लिखित तीन कहानियों पर टेलीफिल्म निर्माण हो चुका है और कई कहानियों पर नाटक मंचन हो चुका है। आप 60 से अधिक कहानियां आकाशवाणी पर पढ़ चुके हैं, वहीं कक्षा 6,7 ,8 के पाठ्यक्रम में भी आपकी तीन बाल कहानियों को शामिल किया गया है ।आपकी कहानियां अंग्रेजी, पंजाबी, उर्दू भाषा में अनुवादित है ।आपकी पत्रकारिता की तीन पुस्तकों को दिल्ली विश्वविद्यालय, पंजाब विश्वविद्यालय और देश के कई पत्रकारिता विश्वविद्यालयों में सहायक ग्रंथों के रूप में शामिल किया गया है और पढ़ाया जा रहा है ।आपकी कहानियों पर विश्वविद्यालयों में शोध हो चुका है और हो भी रहा है। आपके व्यक्तित्व और कृतित्व पर कई पुस्तकें और पत्रिकाएं प्रकाशित हो चुकी हैं। लोक सभा, राज्य सभा टीवी और दूरदर्शन पर " पत्रिका कार्यक्रम "में और कई समाचारपत्रों में आपके इंटरव्यू प्रकाशित हो चुके हैं ।(साहित्य सृजन के अलावा आपने देश के प्रतिष्ठित बैंक,पंजाब नेशनल बैंक के राजभाषा विभाग में वरिष्ठ प्रबंधक के रूप में कार्य किया है और दिल्ली बैंक नगर राजभाभाषा कार्यान्वयन समिति के माध्यम हिंदी के प्रचार प्रसार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है जिसके लिए आपको बैंक ने समय समय पर सम्मानित किया हैं। केंद्रीय सचिवालय हिंदी परिषद् में साहित्य मंत्री के रूप में आपकी सेवाएं और बैंक और देश की कई पत्रिकाओं के संपादन कर अपने हिंदी भाषा की अप्रतिम सेवा भी की है ।) आपने कई देशों की साहित्यिक यात्राएं की हैं और विभिन्न विषय पर अपने लेख, व्याख्यान, पर्चे प्रस्तुत किए हैं। हिंदी अकादमी, दिल्ली का 1987 में साहित्यिक कृति पुरस्कार, हरियाणा साहित्य अकादमी का हरियाणा गौरव सम्मान, वूमेन केसरी, साहित्य गौरव, राष्ट्र रत्न,साहित्य सुधाकर , साहित्य शिखर सम्मान, दिल्ली गौरव के अलावा देश विदेश की 60 से भी अधिक संस्थाओं ने आप को सम्मानित किया है ।बुरहानपुर के ऐतिहासिक राजस्थान समागार में इस अवसर पर साहित्यकारों की उपस्थिति ने कार्यक्रम को चार चांद लगा दिए।

वसंत कुंज, लाजपत नगर समेत दिल्ली के इन इलाकों में आज बंद रहेगी पानी की सप्लाई, जल बोर्ड ने दी जानकारी

देश की राजधानी दिल्ली में इन दिनों पानी की किल्लत की समस्या देखने को मिल रही है। आम लोगों को इसके चलते काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। दरअसल, दक्षिण दिल्ली के कुछ इलाकों में मुख्य पंप सेटों में मेंटेनेंस का काम चल रहा है। इसके चलते इसके अंतर्गत आने वाले इलाकों में 13 मार्च को पानी की सप्लाई प्रभावित रहेगी। इसके अलावा 14 मार्च को पानी का प्रेशर भी काफी स्लो रहेगा। दिल्ली जल बोर्ड ने इसको लेकर नोटिफिकेशन भी जारी कर दिया है। दिल्ली जल बोर्ड के नोटिफिकेशन के मुताबिक दक्षिण दिल्ली में साफ पानी के पंप हाउस के मुख्य पंप सेटों में मेंटेनेंस का काम चल रहा है। इसके अलावा सराय काले खां के पास पाइप लीकेज की मरम्मत भी चल रही है। इस वजह से सोनिया विहार स्थित वाटर ट्रीटमेंट प्लांट से पानी की सप्लाई 13 मार्च को सुबह 10 बजे से 12 घंटे के लिए बंद रहेगी। इसके साथ ही 14 मार्च को भी पानी की सप्लाई का प्रेशर कम रहेगादिल्ली जल बोर्ड द्वारा जारी ट्वीट के मुताबिक, कैलाश नगर, सराय काले खां, जल विहार, लाजपत नगर, मूलचंद अस्पताल, ग्रेटर कैलाश, वसंत कुंज, देवली, अंबेडकर नगर, ओखला, कालकाजी, कालकाजी एक्सटेंशन, गोविंदपुरी, जी.बी. पंत पॉलिटेक्निक, श्याम नगर कॉलोनी, ओखला सब्जी मंडी, अमर कॉलोनी, दक्षिण पुरी, पंचशील पार्क, शाहपुर जाट, कोटला मुबारक पुर, सरिता विहार, सिद्धार्थ नगर, अपोलो, जी.के. उत्तर, मालवीय नगर, डियर पार्क, गीतांजलि, श्रीनिवासपुरी, जी.के. दक्षिण, छतरपुर समेत एनडीएमसी के अन्य हिस्सों और उनके आसपास के क्षेत्र में 13 मार्च को पानी की सप्लाई प्रभावित रहेगी।इमरजेंसी की स्थिति में यहां करें संपर्क जल बोर्ड ने लोगों से इस दौरान अपनी जरूरत के हिसाब से पानी स्टोर कर लेने को कहा है। आपात स्थिति में लोग मंडावली के लिए 22727812, ग्रेटर कैलाश के लिए 29234746, गिरी नगर के लिए 26473720, छतरपुर के लिए 65437020, आईपी के लिए 23370911, 23378761, आर के पुरम के लिए 26193218, जल सदन के लिए 29819035, 29814106, वसंत कुंज के लिए 26137216 और सेंट्रल कंट्रोल रूम नंबर 1916, 23538495 पर टैंकर के लिए आग्रह कर सकते हैं।

इक्कीसवीं सदी का युवा लोकतंत्र के पर्व,चुनाव में सहभागिता सुनिश्चित करें-सरदार पतविंदर सिंह

प्रयागराज। कुछ माह शेष हैं चूक गए तो अगले कुछ महीनों में उत्तर प्रदेश में नगरीय निकायों की बनने वाली सरकार में आप का कोई योगदान नहीं होगा ऐसा ना हो इसलिए 1६1६ 2023 को 18 साल के युवा –युवतियों हो गए हैं उनसे अपना नाम वोटर लिस्ट में जुड़वाने का आग्रह करता हूं इसी उद्देश्य के साथ प्रयागराज के भारतीय जनता पार्टी अल्पसंख्यक मोर्चा काशी क्षेत्र,क्षेत्रीय उपाध्यक्ष सरदार पतविंदर सिंह मतदाताओं को जागरूक करने की जिम्मेदारी उठा ली है उपाध्यक्ष सरदार पतविंदर सिंह ने युवाओं के समूहों से बात कर जागरूकता कैंप चला कर स्टूडेंट को मतदाता बनने के लिए मोटिवेट कर रहे हैं सरदार पतविंदर सिंह ने कहा कि वोटर लिस्ट में नाम जुड़वा कर,बेनिफिट पाएंगे स्लोगन के साथ यह अभियान चलाया जा रहा है इसको लेकर उन्होंने विभिन्न जगहों पर खड़े होकर लोगों के बीच मतदाता सूची में नाम जुड़वाने का आह्वान किया सइस मौके पर कौशल किशोर,अजीत कुमार,सुलोचना शुक्ला,रेनू पांडे,हरमन जी सिंह,दलजीत कौर आदि युवा प्ले कार्ड लेकर चल रहे हैंस11 मार्च से 17 मार्च तक नगरपालिका चुनाव हेतु अपने वोट बनवाने या संशोधन(वार्ड परिवर्तन आदि)हेतु अपने बूथ पर ठस्र से सम्पर्क करें। 1 जनवरी 2023 को 18 वर्ष पूरे कर चुके युवा भी अपने वोट बनवा सकते हैं। नए युवा–युवतियां मतदाता सूची में ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन करा कर लोकतंत्र के महापर्व,चुनाव में सहभागिता सुनिश्चित करें।ऑनलाइन वोटर रजिस्ट्रेशन के लिए 11 मार्च से 17 मार्च तक रजिस्टर करा लेस प्रदेश में 17 नगर निगमों,200 नगर पालिका परिषद,554 नगर पंचायतों यानी कुल 762 नगरीय निकायो में चुनाव होने हैं।

लेफ्ट पाहा नहर कवरिंग द्वितीय चरण के लिए 5 करोड़ की राशि अवमुक्त

किछा। किच्छा पूर्व विधायक राजेश शुक्ला ने आज प्रेस को जारी विज्ञप्ति में बताया कि उनके कार्यकाल में गत वर्ष स्वीकृत लेफ्ट पाहा नहर कवरिंग हेतु प्रथम चरण में 2 करोड़ 15 लाख 34 हजार रूपए जिससे नहर के डेढ़ किलोमीटर भाग पर बिजली लाइन की शिफ्टिंग हेतु 50 लाख 90 हजार तथा पानी की पाइप लाइन शिफ्टिंग हेतु एक करोड़ 18 लाख 94 हजार रुपए जारी होने के बाद यह काम पूरा हो गया था, अब द्वितीय चरण जिसका शिलान्यास चुनाव से पूर्व किया था उस पर स्वीकृत राशि 10 करोड़ 60 लाख 26 हजार की राशि में से मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी ने 5 करोड़ की राशि अवमुक्त कर दी है इससे शहर के मध्य रोड से बंडीया सिसई तक डेढ़ किलोमीटर नहर कवरिंग एवं सड़क निर्माण का काम पूरा हो जाएगा।

पूर्व विधायक राजेश शुक्ला ने कहा कि चुनाव के कुछ माह पूर्व जब कोरोना हटा था तो इस राशि की स्वीकृति एवं टेंडर हो जाने के बाद जब शिलान्यास किया गया था तब कांग्रेस सहित आम आदमी पार्टी व कुछ अन्य विपक्षी दलों के नेताओं ने इसे झूठा शिलान्यास करार दिया था तथा कहा था कि वोट लेने की राजनीति हो रही है जबकि उस समय तक प्रथम चरण की राशि दो करोड़ 15 लाख 34 हजार रूपए का उपयोग होकर विद्युत लाईन पोल एवं पेयजल पाइप की शिफ्टिंग भी हो चुकी थी। पूर्व विधायक राजेश शुक्ला ने कहा कि उनके द्वारा किए गए शिलान्यास के लिए स्वीकृत धनराशि अवमुक्त करके मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह ६ ाामी ने यह साबित किया कि चुनाव परिणाम बदलने से विकास रुकने वाला नहीं है, आगे रुद्रपुर किच्छा रोड मेन बाजार से आगे सिरौली तक अब इस सड़क को आगे बढ़ाने की जिम्मेदारी वर्तमान विधायक की होगी, उन्होंने कहा कि उन्होंने अपने कार्यकाल की स्वीकृत योजनाओं की स्वीकृत राशि को लगातार क्षेत्र में विकास के लिए मुक्त कराया है।

शुक्ला ने चिंता जाहिर करते हुए कहा कि 2022–23 के लिए वर्तमान जनप्रतिनिधि शासन से कोई बड़ी योजना, कोई बड़ा कार्य कराने में सफल नहीं हुए हैं, जबकि उन्होंने (शुक्ला ने) रुद्रपुर मेडिकल कॉलेज के लिए 350 करोड़ रुपए की धनराशि भारत सरकार से, किच्छा में भारत सरकार से मॉडल डिग्री कॉलेज, राज्य सरकार से किच्छा में नया हाईटेक बस अड्डा, पंतनगर नगर पालिका, लालपुर नगर पंचायत, किच्छा में मुंसिफ कोर्ट व एसडीएम कोर्ट की स्थापना सहित इंटरनेशनल एयरपोर्ट एवं सेटेलाइट एम्स और अमृतसर– कलकत्ता इंडस्ट्रियल कॉरिडोर के लिए भूमि आवंटन तथा अब एम्स के लिए 700 करोड़ की धनराशि भारत सरकार से जारी कराने में सफलता पाई।

एक दिवसीय नशा मुक्ति जागरूकता कार्यक्रम में चालक प्रशिक्षुओं को नशे से दूर रहने के लिए किया जागरूक

कुरुक्षेत्र। हरियाणा राज्य नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो प्रमुख श्री अमिताभ सिंह ढिल्लों भा.पु. से. साहब के दिशानिर्देशों से नशे के विरुद्ध जागरूकता कार्यक्रम के अंतर्गत आज हरियाणा राज्य परिवहन कुरुक्षेत्र में चालक प्रशिक्षण केंद्र में एक दिवसीय 203वां नशा मुक्ति जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। चालक प्रशिक्षु प्रभारी सुरेंद्र कुमार की अध्यक्षता में यह जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। हरियाणा राज्य नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो के जागरूकता कार्यक्रम एवं पुनर्वास प्रभारी डॉ. अशोक कुमार वर्मा मुख्य वक्ता के रूप में पहुंचे और चालक प्रशिक्षुओं को सम्बोधित करते हुए कहा कि प्रत्येक परिवार अपने घर को नशे से दूर रखना चाहता है लेकिन समाज में नशे की प्रवृत्ति परिवार तक पहुँच रही है। सबसे पहले हमें तम्बाकू उत्पाद से भी दूर रहने की आवश्यकता है क्योंकि यह नशे की ओर प्रथम सीढ़ी है। धीरे ६ ाीरे व्यक्ति शराब और बाद में सूखे नशों की ओर बढ़ता है। नशे से दूर रहने के साथ साथ हमें अन्य लोगों को भी नशे से दूर रहने के लिए प्रेरित करने की आवश्यकता है। उन्होंने बताया कि ब्यूरो का गठन ड्रग्स जैसे भयंकर नशों की रोकथाम के साथ साथ जागरूकता कार्यक्रम के साथ लोगों को जोड़ना भी है। ड्रग्स में अफीम, चरस, हेरोइन, स्मैक, चिट्टा, सुल्फा, चुरा पोस्त, नशीली औषधियां आदि प्रतिबंधित नशे हैं। यदि कोई व्यक्ति नशे का कारोबार करता है अथवा कोई नशा छोड़ना चाहता है तो ब्यूरो के हेल्पलाइन नंबर 9050891508 पर सम्पर्क करें। कार्यक्रम के अंत में सभी ने एक साथ जीवन में नशा न करने की शपथ ली। इस अवसर पर 123 चालक प्रशिक्षुओं सहित कुल 130 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

पेढ़ गांव पहुंचा कम्युनिस्ट पार्टी का प्रतिनिधिमंडल पुरे घटना की न्यायिक जांच की किया मांग

घोरावल (सोनभद्र) सोमवार को कम्युनिस्ट पार्टी और समाजिक संगठन पूर्वांचल राज्य जनमोर्चा का प्रतिनिधिमंडल पेढ़ गांव पहुंचा और पीड़ित परिवार से मुलाकात कर उनके दुख दर्द को साझा किया। प्रतिनिधि मंडल में भाकपा के जिला सचिव कामरेड आर के शर्मा, माकपा के जिला सचिव कामरेड नंदलाल आर्या और पूर्वांचल राज्य जनमोर्चा के राष्ट्रीय महासचिव एडवोकेट पवन कुमार सिंह के नेतृत्व में दस सदस्यीय टीम पुलिस फोर्स की मौजूदगी में पेढ़ गांव में पहुंच कर सारी स्थितियों की गहराई से अध्ययन किया और मृतक अनुराग पाल के पिता मंगल पाल और परिवार के अन्य लोगों से मुलाकात कर पुरे प्रकरण पर दुःख व्यक्त करते सहानुभूति प्रकट किया। प्रतिनिधि मंडल से बातचीत के दौरान पीड़ित परिवार ने बताया कि जो फिरौती की बात उठी है वह नहीं रहा है यह मृतक अनुराग के पिता मंगल पाल ने सीधे नकारते हुए कहा कि पिछले वर्ष 2 दिसंबर सन् 2022 के एक एसीएसटी मुकदमे में आरोपी राजेश यादव मुख्य आरोपी हैं और उस मुकदमे में मैं गवाह रहा हूं। जो दुश्मनी का मुख्य कारण यही है और आरोपी राजेश यादव द्वारा मुझे लगातार धमकी दिया जाता रहा है तुम्हारे एकलौते लड़के को अपरहण कर जान से मार दिया जाएगा, जिसकी सूचना पुलिस प्रशासन और तहसील प्रशासन को दो माह पहले ही दिए हैं। लेकिन पूर्व और अभी बीते पिछले महीने में पुलिस और प्रशासन द्वारा मेरी अप्लीकेशन को संज्ञान में नहीं लिया गया और अनुराग के अपहरण होने के बाद छः मार्च को पुलिस में रिपोर्ट दर्ज कराई गई और एक आरोपी पकड़ा भी गया किन्तु पुलिस की लापरवाही के चलते मेरे पुत्र अनुराग को अपनी जान गंवानी पड़ी। इसके बावजूद भी पुलिस कहती है कि एफआईआर दर्ज किया गया है किन्तु मुझे एफ एफआईआर का कापी भी नहीं मिला है। मौके पर प्रतिनिधि ा मंडल ने सीओ घोरावल से इस संबंध में बात किया। सीओ द्वारा स्वीकार किया गया और उन्होंने एफ आई आर की कापी उपलब्ध कराने की बात कही। जहां प्रतिनिधिमंडल ने सारी स्थितियों को समझा और कहा कि घोरावल क्षेत्र में जमीन का कब्जा अवैध जमीनों पर कब्जा , भू माफियाओं का वर्चस्व बनता जा रहा है, इसके पूर्व उम्भा और अब पेढ़ की घटना घटी यह स्थानीय तहसील प्रशासन और पुलिस प्रशासन की घोर लापरवाही का नतीजा है कि एक नौ वर्षीय मासूम को अपनी जान गंवानी पड़ी और एक परिवार का चिराग बुझ गया। प्रतिनिधि मंडल ने मृतक अनुराग पाल प्रकरण पर पूरे मामले की न्यायिक जांच कराने की मांग किया और पीड़ित परिवार को कम से कम पचास लाख रुपए तत्काल सहयोग राशि दिया जाए। आरोपियों को फास्ट ट्रैक कोर्ट में मुकदमा चलाकर फांसी की सजा दी जाय। पीड़ित परिवार को तत्काल सुरक्षा प्रदान की जाय।

प्रतिनिधि मंडल में प्रमुख रूप से कामरेड महेंद्र सिंह, कामरेड प्रेम नाथ, कामरेड पुरुषोत्तम, कामरेड शांती प्रकाश, कामरेड रामचन्द्र, कामरेड भरत लाल राही, कामरेड दिनेश्वर बर्मा व कामरेड संतोष सोनी आदि रहे।

कुरुक्षेत्र में युवाओं को आई.ए.एस. एवं आई.पी.एस. बनाने की मुहिम प्रारम्भ

कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के युवा एवं सांस्कृतिक विभाग के निदेशक ने संस्थान का किया शुभारम्भ।

कुरुक्षेत्र, युवाओं को अगर सही मार्गदर्शन मिले तो लक्ष्य को आसानी से हासिल किया जा सकता है। ऐसा ही प्रयास कुरुक्षेत्र के एक युवा ने किया है जो धर्म नगरी में में यू.पी. एस.सी. परीक्षा के लिए मार्गदर्शन से कर आई ए. एस. तथा आई.पी.एस. की तैयारी करवाएगा। इसके लिए रविवार को शेखर संस्थान का शुभारंभ हुआ। इस संस्थान का शुभारंभ डा. भगवान सिंह पूर्व रजिस्ट्रार कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय एवं डा. महासिंह पूनिया निदेशक युवा एवं सांस्कृतिक विभाग कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय द्वारा किया गया।

आन्दोलनकारी काव्य मंच के संयोजन में सेवा समर्पण संस्थान बिंदुआ मोहनलाल गंज लखनऊ में कवियों ने दिया प्रेम का संदेश

उपस्थिति। रोहित गुप्ता ओमप्रकाश गुप्ता रमाकांत गुप्ता का विशेष सहयोग। अपनी सेवा धर्मिता के लिए प्रसिद्ध सेवा समर्पण संस्थान लखनऊ के प्रांगण में आयोजित होली मिलन समारोह मे राष्ट्र प्रेम एवं सामाजिक सरोकारों से ओत–प्रोत सरस काव्य ६ ाारा प्रवाहित हुयी जिसमें श्रोतागण आनंदित हुए। शशिनारायण त्रिपाठी की वाणी वंदना से कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। प्रसिद्ध कवयित्री श्वेता शुक्ला ने प्रतिनिधि गजलों एवं गीतों का सस्वर पाठ किया। वर्तमान अवधी के प्रमुख रचनाकार रवीश पाण्डेय की हास्य विनोद प्रधान रचना से श्रोतागण झूम उठे। प्रतिभा गुप्ता के राष्ट्रीय मुक्तक भी सराहे गये। आन्दोलनकारी काव्य मंच के संस्थापक संजय मिश्र रजोल ने मॉ पर एक सराहनीय गीत पढा। दूर दूर से आये श्रोतागण ताली बजाकर कवियों का उत्साह बढाते रहे।

आवश्यकता है

झुग्गी झोपड़ी हिन्दी दैनिक समाचार पत्र
एवम
JJ News Portal
के लिये उत्तर प्रदेश के प्रत्येक जिले
के लिए संवाददाता, पेजमेकर आपरेटर,
विज्ञापन प्रतिनिधि और एजेंसी / ब्यूरो
चीफ बनने हेतु सम्पर्क करे!

सम्पादक - संजय कुमार यादव
9918366626 9454084311
पता
277/129, चकिया, जगमल का हाता,
पीएनबी एटीएम के पास

नीलामी के इंतजार में सरकारी जर्जर भवन

राजगढ़(मिर्जापुर) ।विकासखंड राजगढ़ के अंतर्गत आने वाले ग्राम पंचायत धनसिरिया के नवडीहवा में प्राथमिक विद्यालय संचालित होता है। प्राथमिक विद्यालय के कैंपस में आंगनबाड़ी केंद्र ६ ानसरिया भी संचालित होता है। विद्यालय के कैंपस में तीन सरकारी भवन बने हुए हैं। जिसमें 2 पंचायत भवन एवं एक आंगनबाड़ी भवन आज से 2 वर्ष पूर्व अधिकारियों के जांच के द्वारा जर्जर घोषित किया जा चुका है। पंचायत भवन एवं आंगनबाड़ी भवन जर्जर होने के कारण उनके स्थान पर नए भवनों का निर्माण भी हो चुका है। परंतु दोनों जर्जर भवन आज भी जर्जर अवस्था में कैंपस में अपने स्थान पर लावारिस अवस्था में पड़े हैं। जर्जर भवनों की नीलामी हेतु कई बार स्थानीय लोगों द्वारा उच्चाधिकारियों से गुहार लगाया गया परंतु आज तक कोई कार्रवाई नहीं हुआ। विद्यालय कैंपस में छोटे–छोटे बच्चे पठन हेतु आते हैं। जिनके जान का खतरा बना रहता है। जर्जर भवन शराबियों का अड्डा बन गया है।

साक्षात भक्तमाल स्वरूप थे बाबा गोविंददास भक्तमाली महाराज : पंडित बिहारीलाल वशिष्ठ

वृन्दावन।पानीघाट–परिक्रमा मार्ग स्थित चैतन्य कुटी आश्रम में ब्रज के प्रख्यात संत बाबा गोविंददास भक्तमाली महाराज का नव–दिवसीय निकुंज लीला प्रविष्ट महोत्सव चतुरुसम्प्रदाय के श्रीमहंत फूलडोल बिहारीदास महाराज के पावन सानिध्य में अत्यंत श्रद्धा एवं धूमधाम के साथ मनाया गया।जिसके अन्तर्गत श्रीमद्भागवत, रासलीला,भजन संध्या, हरिनाम संकीर्तन एवं संत–विद्वत सम्मेलन आदि के कार्यक्रम सम्पन्न हुए।संत–विद्वत सम्मेलन की अ६ यक्षता करते हुए ब्रजभूमि कल्याण परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष पंडित बिहारीलाल वशिष्ठ ने कहा कि संत प्रवर बाबा गोविंददास भक्तमाली महाराज साक्षात भक्तमाल स्वरूप थे।नाम निष्ठा,६ ााम निष्ठा,भाव निष्ठा एवं भजन निष्ठा उनके जीवन का अभिन्न अंग थे।उन जैसे संतों के दर्शन मात्र से ही जीव का कल्याण हो जाता है।चतुरुसम्प्रदाय के श्रीमहंत फूलडोल बिहारीदास महाराज व महामंडलेश्वर चित्तप्रकाशानंद महाराज ने कहा कि बाबा गोविंददास भक्तमाली महाराज अत्यंत सेवा भावी संत थे।अपने पास आने वाले किसी भी संतों – भक्तों एवं दर्शनार्थियों को वे बिना प्रसाद दिए नहीं जाने देते थे।भव सागर से तरने के लिए बाबा महाराज जैसे संतों का सानि६ य परम् आवश्यक है। वरिष्ठ साहित्यकार डॉ गोपाल चतुर्वेदी एवं डॉ. राधाकांत शर्मा ने कहा कि निकुंजवासी संत बाबा गोविंददास भक्तमाली महाराज को भगवद कथा, सत्संग,भजन एवं कीर्तन से अत्यधिक प्रेम था।बाबा महाराज के हृदय में सहजता, सरलता, उदारता और परोपकारिता आदि अनेकानेक सद्गुणों का समावेश था।इस अवसर पर शरणागति आश्रम के महंत बिहारीदास भक्तमाली,आचार्य गोपाल भैया महाराज,ब्रजाचार्य बाबा कर्मयोगी महाराज,ब्रजकिशोर दास भक्तमाली, राममोहन दास महाराज, आचार्य हरिप्रसाद द्विवेदी, ब्रजबिहारी दास भक्तमाली, गोपीरमण दास महाराज, रा६ ाािवनोद दास महाराज (बरसाना), हरिचरण दास महाराज, गोविंददास महाराज, राधाचरण दास महाराज,बाबा मोहनदास महाराज, गौरांगचरण दास महाराज आदि ने भी अपने विचार व्यक्त कर बाबा महाराज को अपनी भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की।

इमरान खान पर लटकी गिरफ्तारी की तलवार, बख्तरबंद वाहनों के साथ लाहौर पहुंची इस्लामाबाद पुलिस

पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान तोशाखाना मामले में गिरफ्तार हो सकते हैं। लाहौर में पाकिस्तान तहरीक–ए–इंसाफ के अध्यक्ष (पीटीआई) इमरान के आवास के बाहर बख्तरबंद पुलिस वाहन पहुंच चुके हैं। इस बीच इस्लामाबाद के वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने कहा कि पुलिस उन्हें गिरफ्तार करने के इरादे से वहां पहुंची है। पीटीआई कार्यकर्ता इमरान खान के आवास के बाहर इकट्ठा होने लगे हैं।

इससे पहले इस्लामाबाद की एक कोर्ट ने पिछले साल यहां एक जनसभा को संबोधित करते हुए एक महिला मजिस्ट्रेट को धमकी देने के मामले में पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री के खिलाफ जारी गैर जमानती गिरफ्तारी वारंट पर मंगलवार को 16 मार्च तक रोक लगा दी। अतिरिक्त जिला और सत्र न्यायाधीश जेबा चौधरी और इस्लामाबाद पुलिस अधिकारियों के खिलाफ धमकी भरी भाषा का इस्तेमाल करने के लिए सोमवार को गैर–जमानती गिरफ्तारी वारंट जारी किया गया था।

तोशाखाना मामले में इमरान खान के खिलाफ गैर–जमानती गिरफ्तारी वारंट जारी होने के एक दिन बाद पुलिस उनके घर पहुंची हैं। पुलिस ने पाकिस्तान तहरीक–ए–इंसाफ (पीटीआई) पार्टी के अध्यक्ष के घर की ओर जाने वाली सभी सड़कों को अवरुद्ध कर दिया है। भारी संख्या में पुलिस बल की तैनाती की गई। इमरान के समर्थक भी भारी संख्या में आवास के बाहर एकत्र हुए हैं। पुलिस कार्रवाई का विरोध कर रहे हैं। पुलिस ने उन पर वाटर कैनन का भी इस्तेमाल किया है।

पीटीआई के वरिष्ठ नेता फारुख हबीब ने कहा कि चाहे कुछ भी हो जाए, इमरान खान फर्जी मामलों में पुलिस के सामने आत्मसमर्पण नहीं करेंगे। हबीब ने कहा कि महिला न्यायाधीश को धमकाने से संबंधित मामले में गिरफ्तारी वारंट को इस्लामाबाद हाईकोर्ट ने आज निलंबित कर दिया। देखते हैं कि पुलिस अब क्या नया वारंट लेकर आई है।

इमरान खान के कहा कि पुलिस मुझे गिरफ्तार करने आ गई है। मैं जनता की जंग लड़ रहा हूं। मुझे कुछ हो भी जाए तो ये जंग रुकने वाली नहीं है। इमरान ने एक मिनट 12 सेकंड का वीडियो जारी कर यह बात कही है। उन्होंने कहा कि पुलिस को लगता है कि अगर ये मुझे गिरफ्तार कर लेंगे तो कौम सो जाएगी। आपको इन्हें गलत साबित करना होगा। इमरान खान के खिलाफ सोमवार को दो मामलों में गैर–जमानती गिरफ्तारी वारंट जारी किए गए थे। तोशाखाना मामले में कोर्ट के सामने पेश नहीं होने और पिछले साल एक जनसभा के दौरान महिला न्यायाधीश को कथित तौर पर धमकी देने के मामले में यह गिरफ्तारी वारंट जारी किए गए थे। तोशाखाना मामले की सुनवाई कर रहे इस्लामाबाद की जिला एवं सत्र अदालत के न्यायाधीश जफर इकबाल और न्यायाधीश को धमकी देने के मामले में वरिष्ठ दीवानी न्यायाधीश राणा मुजाहिद रहीम ने पुलिस को पूर्व प्रधानमंत्री को गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश करने को कहा था। कोर्ट ने तोशाखाना मामले में उन्हें 18 मार्च और जज को धमकी देने के मामले में इमरान को 21 मार्च को अदालत में पेश करने का निर्देश दिया था।

दरअसल, पाकिस्तान के कानून के अनुसार किसी विदेशी राज्य के गणमान्य व्यक्तियों से प्राप्त कोई भी उपहार स्टेट डिपॉजिटरी यानी तोशाखाना में रखना होता है। अगर राज्य का मुखिया उपहार को अपने पास रखना चाहता है तो उसके लिए उसे इसके मूल्य के बराबर राशि का भुगतान करना होगा। यह एक नीलामी की प्रक्रिया के जरिए तय किया जाता है। ये उपहार या तो तोशाखाना में जमा रहते हैं या नीलाम किए जा सकते हैं और इसके माध्यम से अर्जित धन को राष्ट्रीय खजाने में जमा किया जाता है।

कहानी इमरान के प्रधानमंत्री रहते हुए शुरू हुई थी। 2018 में सत्ता में आए इमरान खान को आधिकारिक यात्राओं के दौरान करीब 14 करोड़ रुपये के 58 उपहार मिले थे। इन महंगे उपहारों को तोशाखाना में जमा किया गया था। बाद में इमरान खान ने इन्हें तोशखाने से सस्ते दाम पर खरीद लिया और फिर महंगे दाम पर बाजार में बेच दिया। इस पूरी प्रक्रिया के लिए उन्होंने सरकारी कानून में बदलाव भी किए।

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, इमरान ने 2.15 करोड़ रुपये में इन गिफ्ट्स को तोशखाने से खरीदा था और इन्हें बेचकर 5.8 करोड़ रुपये का मुनाफा कमा लिया। इन गिफ्टस में एक ग्राफ घड़ी, कफलिंक का एक जोड़ा, एक महंगा पेन, एक अंगूठी और चार रोलेक्स घड़ियां भी थीं।

चीन में विदेश मंत्री बदलने का क्या होगा नेपाल–चीन रिश्तों पर असर

चीन सरकार में हुए बड़े फेरबदल के बाद यहां इस बात पर कयास लगाए जा रहे हैं कि चीन के नए अधिकारियों का नेपाल के प्रति क्या रुख होगा। खास नजर चीन के नए विदेश मंत्री चिन गांग के नजरिए पर है। हाल में विदेश मंत्री बने 56 वर्षीय चिन ने सात मार्च को पहली बार अंतरराष्ट्रीय मीडिया को संबोधित किया। चीन की संसद नेशनल पीपुल्स कांग्रेस के सत्र के मौके पर उन्होंने यह प्रेस कांफ्रेंस की। इसमें चीनी दार्शनिक कंफ्यूशियस के एक कथन का हवाला देते हुए उन्होंने कहा– 'दया के बदले व्यक्ति को दया दिखानी चाहिए और विरोध का जवाब न्याय से देना चाहिए। अगर विरोध के बदले भी दया दिखाई जाए, तो फिर दया के बदले क्या दिया जाएगा? चीन की कूटनीति में सद्भावना और उदारता की कोई कमी नहीं है।

अखबार काठमांडू पोस्ट में छपी एक रिपोर्ट के मुताबिक नेपाल के कूटनीति विशेषज्ञ अपने देश के संदर्भ में इस कथन का मतलब समझने की कोशिश कर रहे हैं। यहां कूटनीति विशेषज्ञों की चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के तीसरे कार्यकाल में अपनाई जाने वाली नीतियों पर भी खास निगाह है। शी के पहले दो कार्यकाल के दौरान नेपाल के साथ चीन का रिश्ता सहज रहा। 2015 में चीन में आए भूकंप के दौरान चीन ने उदारता से मदद दी। जब नेपाल ने भारत के कहने पर नए संविधान पर अमल नहीं टाला और भारत ने घेराबंदी कर दी, तब भी चीन ने नेपाल की पूरी मदद की। शी के पहले कार्यकाल के दौरान नेपाल चीन की महत्त्वाकांक्षी बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव परियोजना में शामिल हुआ था।

हाल में चीन ने कहा है कि वह नेपाल की संप्रभुता और राष्ट्रीय गरिमा का पूरा सम्मान करता है। साथ ही वह अपनी राष्ट्रीय परिस्थितियों के मुताबिक अपने विकास का रास्ता चुनने के नेपाल के अधिकार का समर्थन करता है। बदले में नेपाल ने वन चाइना पॉलिसी का समर्थन किया है, जिसका मतलब ताइवान को चीन का हिस्सा मानना है।

बीजिंग स्थित रेनमिन यूनिवर्सिटी में अंतरराष्ट्रीय संबंध विषय के प्रोफेसर वांग पेंग ने काठमांडू पोस्ट से कहा– चीन की नेपाल नीति में तुरंत किसी बदलाव की संभावना नहीं है। वांग ने कहा कि चीन अपनी नीतियों में निरंतरता रखता है, इसलिए विदेश मंत्री बदलने के बावजूद नेपाल के प्रति पुराने नजरिये में फिलहाल कोई बदलाव नहीं आएगा।

चीन में पूर्व विदेश मंत्री वांग यी का अब दर्जा बढ़ा दिया गया है। उन्हें यांग जिची की जगह फॉरेन अफेयर्स कमीशन का निदेशक बना दिया गया है। इस तरह वे चीन सर्वोच्च कूटनीतिक (डिप्लोमैट) बन गए हैं और अब विदेश नीति तय करने में उनकी हैसियत राष्ट्रपति शी के ठीक बाद हो गई है।

चीन की शान्शी नॉर्मल यूनिवर्सिटी में मार्क्सवाद एवं समकालीन चीन विषय के प्रोफेसर वांग दोंगहोंग ने कहा– हर विदेश मंत्री का अपना स्टाइल होता है। लेकिन आखिरकार सभी देश की विदेश नीति के मुताबिक कार्य करते हैं। वांग को नेपाल विशेषज्ञ समझा जाता है। उन्होंने कहा– नेपाल की राजनीतिक स्थिति और बाहरी पहलुओं का असर नेपाल–चीन के विशेष कूटनीतिक व्यवहारों पर पड़ सकता है, लेकिन पुरानी नीति मोटे तौर पर जारी रहेगी।

इंदौर पिच की रेटिंग को लेकर बीसीसीआई ने आईसीसी में अपील की, 14 दिन के अंदर आएगा समिति का फैसला

इंदौर टेस्ट की पिच की खराब रेटिंग को लेकर बीसीसीआई ने आईसीसी में औपचारिक अपील दायर कर दी है। मध्य प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन के स्वामित्व वाले इंदौर के होल्कर स्टेडियम से जुड़े अधिकारी ने यह जानकारी दी है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार आईसीसी का दो सदस्यीय पैनल इस मामले में जांच के बाद आईसीसी के फैसले की समीक्षा करेगा और 14 दिन के अंदर अपना फैसला सुनाएगा। रत और ऑस्ट्रेलिया के बीच बॉर्डर–गावस्कर ट्रॉफी सीरीज का तीसरा टेस्ट इंदौर में तीन दिन के अंदर खत्म हो गया था। इस मैच में शुरुआती दो दिनों में 30 विकेट गिरे थे। इस टेस्ट में 31 में से 26 विकेट स्पिन गेंदबाजों ने लिए थे। ऑस्ट्रेलिया ने तीसरे दिन के पहले सत्र में यह मैच नौ विकेट से अपने नाम किया था और सीरीज में बेहतरीन वापसी की थी।अपनी रिपोर्ट में मैच रेफरी ब्रॉड ने कहा था कि पिच बहुत सूखी थी और बल्ले और गेंद के बीच संतुलन प्रदान नहीं करती थी, शुरू से ही स्पिन गेंदबाजों को मदद मिल रही थी। पूरे मैच के दौरान पिच में अत्यधिक और असमान उछाल था।ब्रॉड की खराब रेटिंग का मतलब था कि यह मैदान अब तीन डिमेरिट अंक हासिल कर चुका है। यह पांच साल की अवधि के लिए सक्रिय रहेगा। यदि इसे दो और डिमेरिट अंक दिए जाते हैं, तो इस मैदान को 12 महीनों के लिए अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट की मेजबानी से निलंबित कर दिया जाएगा।हले दो टेस्ट के मैच रेफरी एंडी पाइक्रॉफ्ट ने नागपुर और दिल्ली में उपयोग की जाने वाली सतहों को ष्औसतष् करार दिया था। ये दोनों टेस्ट भी तीन दिनों के भीतर समाप्त हो गए थे और भारत ने दोनों मुकाबलों में जीत हासिल की थी। मैच रेफरी के पास पिच की रेटिंग के लिए छह पैमाने होते हैं। बहुत अच्छी, अच्छी, औसत, औसत से नीचे, खराब और अयोग्य। औसत से कम रेटिंग वाली खराब या अयोग्य पिच को ही डिमेरिट अंक दिए जाते हैं।इंदौर को आनन–फानन में मिली थी मेजबानीभारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच टेस्ट सीरीज का तीसरा मुकाबला धर्मशाला में होना था, लेकिन बीसीसीआई की जांच समिति ने पाया कि यह मैदान सर्दियों में टेस्ट मैच की मेजबानी के लिए तैयार नहीं है। धर्मशाला

के मैदान में कई हिस्सों पर पर्याप्त घांस नहीं थी। इसके बाद बीसीसीआई ने एक मार्च को इस मैच की मेजबानी इंदौर को दे दी थी, जबकि मुकाबला 13 मार्च से शुरू होना था। बोर्ड के लिए पिच रेटिंग के खिलाफ अपील करना असामान्य है, लेकिन यह पहला मामला नहीं है। पीसीबी ने हाल ही में पिच की रेटिंग के खिलाफ अपील की थी और उसकी अपील सफल रही थी। पिछले साल दिसंबर में इंग्लैंड और पाकिस्तान के बीच हुए मैच के लिए रावलपिंडी की पिच को एक डिमेरिट अंक दिया गया था। मैच रेफरी पाइक्रॉफ्ट ने भी पिच को ष्औसत से नीचेष् का दर्जा दिया था। इंग्लैंड ने यह टेस्ट 74 रन से जीता था। हालांकि, बाद में पीसीबी की अपील पर जांच हुई और यह डिमेरिट अंक हटा दिया गया। अब बीसीसीआई को भी ऐसी ही उम्मीद है।इंदौर टेस्ट की पिच की खराब रेटिंग को लेकर बीसीसीआई ने आईसीसी में औपचारिक अपील दायर कर दी है। मध्य प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन के स्वामित्व वाले इंदौर के होल्कर स्टेडियम से जुड़े अधिकारी ने यह जानकारी दी है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार आईसीसी का दो सदस्यीय पैनल इस मामले में जांच के बाद आईसीसी के फैसले की समीक्षा करेगा और 14 दिन के अंदर अपना फैसला सुनाएगा। रत और ऑस्ट्रेलिया के बीच बॉर्डर–गावस्कर ट्रॉफी सीरीज का तीसरा टेस्ट इंदौर में तीन दिन के अंदर खत्म हो गया था। इस मैच में शुरुआती दो दिनों में 30 विकेट गिरे थे। इस टेस्ट में 31 में से 26 विकेट स्पिन गेंदबाजों ने लिए थे। ऑस्ट्रेलिया ने तीसरे दिन के पहले सत्र में यह मैच नौ विकेट से अपने नाम किया था और सीरीज में बेहतरीन वापसी की थी।अपनी रिपोर्ट में मैच रेफरी ब्रॉड ने कहा था कि पिच बहुत सूखी थी और बल्ले और गेंद के बीच संतुलन प्रदान नहीं करती थी, शुरू से ही स्पिन गेंदबाजों को मदद मिल रही थी। पूरे मैच के दौरान पिच में अत्यधिक और असमान उछाल था।ब्रॉड की खराब रेटिंग का मतलब था कि यह मैदान अब तीन डिमेरिट अंक हासिल कर चुका है। यह पांच साल की अवधि के लिए सक्रिय रहेगा। यदि इसे दो और डिमेरिट अंक दिए जाते हैं, तो इस मैदान को 12 महीनों के लिए अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट की मेजबानी से निलंबित कर दिया जाएगा।हले दो टेस्ट के मैच रेफरी एंडी पाइक्रॉफ्ट ने नागपुर और दिल्ली में उपयोग की जाने वाली सतहों को ष्औसतष् करार दिया था। ये दोनों टेस्ट भी तीन दिनों के भीतर समाप्त हो गए थे और भारत ने दोनों मुकाबलों में जीत हासिल की थी। मैच रेफरी के पास पिच की रेटिंग के लिए छह पैमाने होते हैं। बहुत अच्छी, अच्छी, औसत, औसत से नीचे, खराब और अयोग्य। औसत से कम रेटिंग वाली खराब या अयोग्य पिच को ही डिमेरिट अंक दिए जाते हैं।इंदौर को आनन–फानन में मिली थी मेजबानीभारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच टेस्ट सीरीज का तीसरा मुकाबला धर्मशाला में होना था, लेकिन बीसीसीआई की जांच समिति ने पाया कि यह मैदान सर्दियों में टेस्ट मैच की मेजबानी के लिए तैयार नहीं है। धर्मशाला के मैदान में कई हिस्सों पर पर्याप्त घांस नहीं थी। इसके बाद बीसीसीआई ने एक मार्च को इस मैच की मेजबानी

इंदौर को दे दी थी, जबकि मुकाबला 13 मार्च से शुरू होना था। बोर्ड के लिए पिच रेटिंग के खिलाफ अपील करना असामान्य है, लेकिन यह पहला मामला नहीं है। पीसीबी ने हाल ही में पिच की रेटिंग के खिलाफ अपील की थी और उसकी अपील सफल रही थी। पिछले साल दिसंबर में इंग्लैंड और पाकिस्तान के बीच हुए मैच के लिए रावलपिंडी की पिच को एक डिमेरिट अंक दिया गया था। मैच रेफरी पाइक्रॉफ्ट ने भी पिच को ष्औसत से नीचेष् का दर्जा दिया था। इंग्लैंड ने यह टेस्ट 74 रन से जीता था। हालांकि, बाद में पीसीबी की अपील पर जांच हुई और यह डिमेरिट अंक हटा दिया गया। अब बीसीसीआई को भी ऐसी ही उम्मीद है।इंदौर टेस्ट की पिच की खराब रेटिंग को लेकर बीसीसीआई ने आईसीसी में औपचारिक अपील दायर कर दी है। मध्य प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन के स्वामित्व वाले इंदौर के होल्कर स्टेडियम से जुड़े अधिकारी ने यह जानकारी दी है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार आईसीसी का दो सदस्यीय पैनल इस मामले में जांच के बाद आईसीसी के फैसले की समीक्षा करेगा और 14 दिन के अंदर अपना फैसला सुनाएगा। रत और ऑस्ट्रेलिया के बीच बॉर्डर–गावस्कर ट्रॉफी सीरीज का तीसरा टेस्ट इंदौर में तीन दिन के अंदर खत्म हो गया था। इस मैच में शुरुआती दो दिनों में 30 विकेट गिरे थे। इस टेस्ट में 31 में से 26 विकेट स्पिन गेंदबाजों ने लिए थे। ऑस्ट्रेलिया ने तीसरे दिन के पहले सत्र में यह मैच नौ विकेट से अपने नाम किया था और सीरीज में बेहतरीन वापसी की थी।अपनी रिपोर्ट में मैच रेफरी ब्रॉड ने कहा था कि पिच बहुत सूखी थी और बल्ले और गेंद के बीच संतुलन प्रदान नहीं करती थी, शुरू से ही स्पिन गेंदबाजों को मदद मिल रही थी। पूरे मैच के दौरान पिच में अत्यधिक और असमान उछाल था।ब्रॉड की खराब रेटिंग का मतलब था कि यह मैदान अब तीन डिमेरिट अंक हासिल कर चुका है। यह पांच साल की अवधि के लिए सक्रिय रहेगा। यदि इसे दो और डिमेरिट अंक दिए जाते हैं, तो इस मैदान को 12 महीनों के लिए अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट की मेजबानी से निलंबित कर दिया जाएगा।हले दो टेस्ट के मैच रेफरी एंडी पाइक्रॉफ्ट ने नागपुर और दिल्ली में उपयोग की जाने वाली सतहों को ष्औसतष् करार दिया था। ये दोनों टेस्ट भी तीन दिनों के भीतर समाप्त हो गए थे और भारत ने दोनों मुकाबलों में जीत हासिल की थी।

आपने मुझे लंबे समय तक इंतजार कराया

भारत के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ अहमदाबाद टेस्ट में शानदार शतक लगाया। उन्होंने 1205 दिन बाद इस फॉर्मेट में शतकीय पारी खेली। कोहली को इस मैच में 186 रन बनाने के लिए मैन ऑफ द मैच अवॉर्ड मिला। दोनों टीमों के बीच यह मुकाबला ड्रॉ पर समाप्त हुआ। इस तरह भारत ने सीरीज को 2–1 से अपने नाम कर लिया। मैच के बाद कोच राहुल द्रविड़ ने कोहली का इंटरव्यू लिया। इस दौरान दोनों के बीच रोचक बातचीत हुई।द्रविड़ ने इंटरव्यू के शुरुआत में तो कोहली के मजे ले लिए। उन्होंने कहा, श्श्मैंने बतौर खिलाड़ी और बतौर शतक विराट कोहली के कई टेस्ट शतक हैं, लेकिन कोच के रूप में पिछले 15–16 महीनों से इस पल का इंतजार था। आखिरकार वह समय आ गया। हमनें विराट का एक और टेस्ट शतक देखा।श्श इसके बाद राहुल द्रविड़ ने कोहली से टेस्ट क्रिकेट में इतने लंबे समय तक शतक नहीं बना पाने की अपनी भावनाओं के बारे में पूछा।द्रविड़ ने कोहली से पूछे कठिन सवालद्रविड़ ने कहा, श्श्मुझे पता है कि आप ऐसे व्यक्ति हैं जो अपने प्रदर्शन पर बहुत गर्व करते हैं। आपको नियमित रूप से शतक लगाने की आदत है। कोविड–19 के कारण बहुत टेस्ट मैच नहीं हुए, लेकिन क्या इतने लंबे सयम तक टेस्ट शतक नहीं बनाना मुश्किल समय था? हम आंकड़ों को लेकर थोड़े जुनूनी हो जाते हैं। इस दौरान मुझे कुछ आपकी पारियां अच्छी लगीं। केप टाउन में 70 रन एक अच्छी पारी थी, लेकिन क्या शतक को लेकर आप सोच रहे थे?विराट ने कहा– 40–50 रन से मैं खुश नहीं होतापूर्व भारतीय कप्तान विराट कोहली ने जवाब में कहा कि वह 40 और 50 रन की पारी से खुश नहीं थे। विराट ने कहा, श्श्ईमानदारी से कहूं तो मैंने अपनी कमियों के कारण जटिलताओं को थोड़ा बढ़ने दिया है। शतक नहीं लगाने की हताशा एक ऐसी चीज है जो एक बल्लेबाज के रूप में आप पर बढ़ सकती है। मैं कुछ हद तक अपने साथ ऐसा होने देता हूं, लेकिन इसका दूसरा पहलू यह है कि मैं ऐसा व्यक्ति नहीं हूं जो 40–45 से खुश है। मैं टीम के लिए प्रदर्शन करने में बहुत गर्व महसूस करता हूं।विराट ने आगे कहा, श्श्जब मैं 40 रन पर बल्लेबाजी कर रहा होता हूं तो मुझे पता होता है कि मैं 150 बना सकता हूं। मुझे एक बात अंदर ही अंदर खा रही थी कि मैं टीम के लिए इतना बड़ा स्कोर क्यों नहीं बना पा रहा हूं? क्योंकि मुझे इस बात का गर्व था कि जब टीम को मेरी जरूरत थी मैं खड़ा होता था। कठिन परिस्थितियों में स्कोर करता था। मैं ऐसा करने में सक्षम नहीं हो रहा था और इससे यह बात मुझे परेशान कर रही थी।आंकड़ों को लेकर नहीं सोचते कोहलीयह कोहली का 28वां और कुल मिलाकर 75वां टेस्ट शतक है। घरेलू मैदान पर उन्होंने 14वीं बार शतक लगाया है। इस मामले में उन्होंने वीरेंद्र

सहवाग, दिलीप वेंगसरकर और मोहम्मद अजहरुद्दीन को पीछे छोड़ दिया। इस बारे में कोहली से जब पूछा गया तो उन्होंने कहा कि वह रिकॉर्ड के बारे में कभी सोचते।विराट ने कहा, श्श्मैं रिकॉर्ड के बारे में कभी नहीं सोचता। बहुत सारे लोग मुझसे पूछते हैं कि आप लगातार शतक कैसे लगा लेते हैं और मैं हमेशा कहता है कि मेरा जो लक्ष्य है उसके अंदर शतक आ जाता है। मेरा लक्ष्य टीम के लिए लंबी पारियां खेलना है। हालांकि, अगर मैं पूरी ईमानदारी से कहूं तो यह थोड़ा मुश्किल हो जाता है क्योंकि जैसे ही आप होटल के कमरे से बाहर निकलते हैं, लिफ्ट में मिलने वाले आदमी से लेकर बस ड्राइवर तक, हर कोई यही कहता है कि हमे एक और शतक चाहिए। इन्हीं कारणों से यह हर समय आपके दिमाग में चलता रहता है।भारत के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ अहमदाबाद टेस्ट में शानदार शतक लगाया। उन्होंने 1205 दिन बाद इस फॉर्मेट में शतकीय पारी खेली। कोहली को इस मैच में 186 रन बनाने के लिए मैन ऑफ द मैच अवॉर्ड मिला। दोनों टीमों के बीच यह मुकाबला ड्रॉ पर समाप्त हुआ। इस तरह भारत ने सीरीज को 2–1 से अपने नाम कर लिया। मैच के बाद कोच राहुल द्रविड़ ने कोहली का इंटरव्यू लिया। इस दौरान दोनों के बीच रोचक बातचीत हुई।द्रविड़ ने इंटरव्यू के शुरुआत में तो कोहली के मजे ले लिए। उन्होंने कहा, श्श्मैंने बतौर खिलाड़ी और बतौर शतक विराट कोहली के कई टेस्ट शतक हैं, लेकिन कोच के रूप में पिछले 15–16 महीनों से इस पल का इंतजार था। आखिरकार वह समय आ गया। हमनें विराट का एक और टेस्ट शतक देखा।श्श इसके बाद राहुल द्रविड़ ने कोहली से टेस्ट क्रिकेट में इतने लंबे समय तक शतक नहीं बना पाने की अपनी भावनाओं के बारे में पूछा।द्रविड़ ने कोहली से पूछे कठिन सवालद्रविड़ ने कहा, श्श्मुझे पता है कि आप ऐसे व्यक्ति हैं जो अपने प्रदर्शन पर बहुत गर्व करते हैं। आपको नियमित रूप से शतक लगाने की आदत है। कोविड–19 के कारण बहुत टेस्ट मैच नहीं हुए, लेकिन क्या इतने लंबे सयम तक टेस्ट शतक नहीं बनाना मुश्किल समय था? हम आंकड़ों को लेकर थोड़े जुनूनी हो जाते हैं। इस दौरान मुझे कुछ आपकी पारियां अच्छी लगीं। केप टाउन में 70 रन एक अच्छी पारी थी, लेकिन क्या शतक को लेकर आप सोच रहे थे?विराट ने कहा– 40–50 रन से मैं खुश नहीं होतापूर्व भारतीय कप्तान विराट कोहली ने जवाब में कहा कि वह 40 और 50 रन की पारी से खुश नहीं थे। विराट ने कहा, श्श्ईमानदारी से कहूं तो मैंने अपनी कमियों के कारण जटिलताओं को थोड़ा बढ़ने दिया है। शतक नहीं लगाने की हताशा एक ऐसी चीज है जो एक बल्लेबाज के रूप में आप पर बढ़ सकती है। मैं कुछ हद तक अपने साथ ऐसा होने देता हूं, लेकिन इसका दूसरा पहलू यह है कि मैं ऐसा व्यक्ति नहीं हूं जो 40–45 से खुश है। मैं टीम के लिए प्रदर्शन करने में बहुत गर्व महसूस करता हूं।विराट ने आगे कहा, श्श्जब मैं 40 रन पर बल्लेबाजी कर रहा होता हूं तो मुझे पता होता है कि मैं 150 बना सकता हूं। मुझे एक बात अंदर ही अंदर खा रही थी कि मैं टीम के लिए इतना बड़ा स्कोर क्यों नहीं बना पा रहा हूं? क्योंकि मुझे इस बात का गर्व था कि जब टीम को मेरी जरूरत थी मैं खड़ा होता था। कठिन परिस्थितियों में स्कोर करता था। मैं ऐसा करने में सक्षम नहीं हो रहा था और इससे यह बात मुझे परेशान कर रही थी।आंकड़ों को लेकर नहीं सोचते कोहलीयह कोहली का 28वां और कुल मिलाकर 75वां टेस्ट शतक है। घरेलू मैदान पर उन्होंने 14वीं बार शतक लगाया है। इस मामले में उन्होंने वीरेंद्र सहवाग, दिलीप वेंगसरकर और मोहम्मद अजहरुद्दीन को पीछे छोड़ दिया। इस बारे में कोहली से जब पूछा गया तो उन्होंने कहा कि वह रिकॉर्ड के बारे में कभी सोचते।विराट ने कहा, श्श्मैं रिकॉर्ड के बारे में कभी नहीं सोचता। बहुत सारे लोग मुझसे पूछते हैं कि आप लगातार शतक कैसे लगा लेते हैं और मैं हमेशा कहता है कि मेरा जो लक्ष्य है उसके अंदर शतक आ जाता है। मेरा लक्ष्य टीम के लिए लंबी पारियां खेलना है। हालांकि, अगर मैं पूरी ईमानदारी से कहूं तो यह थोड़ा मुश्किल हो जाता है क्योंकि जैसे ही आप होटल के कमरे से बाहर निकलते हैं, लिफ्ट में मिलने वाले आदमी से लेकर बस ड्राइवर तक, हर कोई यही कहता है कि हमे एक और शतक चाहिए। इन्हीं कारणों से यह हर समय आपके दिमाग में चलता रहता है।भारत के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ अहमदाबाद टेस्ट में शानदार शतक लगाया। उन्होंने 1205 दिन बाद इस फॉर्मेट में शतकीय पारी खेली। कोहली को इस मैच में 186 रन बनाने के लिए मैन ऑफ द मैच अवॉर्ड मिला। दोनों टीमों के बीच यह मुकाबला ड्रॉ पर समाप्त हुआ। इस तरह भारत ने सीरीज को 2–1 से अपने नाम कर लिया। मैच के बाद कोच राहुल द्रविड़ ने कोहली का इंटरव्यू लिया। इस दौरान दोनों के बीच रोचक बातचीत हुई।द्रविड़ ने इंटरव्यू के शुरुआत में तो कोहली के मजे ले लिए। उन्होंने कहा, श्श्मैंने बतौर खिलाड़ी और बतौर शतक विराट कोहली के कई टेस्ट शतक हैं, लेकिन कोच के रूप में पिछले 15–16 महीनों से इस पल का इंतजार था। आखिरकार वह समय आ गया। हमनें विराट का एक और टेस्ट शतक देखा।श्श इसके बाद राहुल द्रविड़ ने कोहली से टेस्ट क्रिकेट में इतने लंबे समय तक शतक नहीं बना पाने की अपनी भावनाओं के बारे में पूछा।द्रविड़ ने कोहली से पूछे कठिन सवालद्रविड़ ने कहा, श्श्मुझे पता है कि आप ऐसे व्यक्ति हैं जो अपने प्रदर्शन पर बहुत गर्व करते हैं। आपको नियमित रूप से शतक लगाने की आदत है। कोविड–19 के कारण बहुत टेस्ट मैच नहीं हुए, लेकिन क्या इतने लंबे सयम तक टेस्ट शतक नहीं बनाना मुश्किल समय था? हम आंकड़ों को लेकर थोड़े जुनूनी हो जाते हैं। इस दौरान मुझे कुछ आपकी पारियां अच्छी लगीं। केप टाउन में 70 रन एक अच्छी पारी थी।

ऐसी चीज है जो एक बल्लेबाज के रूप में आप पर बढ़ सकती है। मैं कुछ हद तक अपने साथ ऐसा होने देता हूं, लेकिन इसका दूसरा पहलू यह है कि मैं ऐसा व्यक्ति नहीं हूं जो 40–45 से खुश है। मैं टीम के लिए प्रदर्शन करने में बहुत गर्व महसूस करता हूं।विराट ने आगे कहा, श्श्जब मैं 40 रन पर बल्लेबाजी कर रहा होता हूं तो मुझे पता होता है कि मैं 150 बना सकता हूं। मुझे एक बात अंदर ही अंदर खा रही थी कि मैं टीम के लिए इतना बड़ा स्कोर क्यों नहीं बना पा रहा हूं? क्योंकि मुझे इस बात का गर्व था कि जब टीम को मेरी जरूरत थी मैं खड़ा होता था। कठिन परिस्थितियों में स्कोर करता था। मैं ऐसा करने में सक्षम नहीं हो रहा था और इससे यह बात मुझे परेशान कर रही थी।आंकड़ों को लेकर नहीं सोचते कोहलीयह कोहली का 28वां और कुल मिलाकर 75वां टेस्ट शतक है। घरेलू मैदान पर उन्होंने 14वीं बार शतक लगाया है। इस मामले में उन्होंने वीरेंद्र सहवाग, दिलीप वेंगसरकर और मोहम्मद अजहरुद्दीन को पीछे छोड़ दिया। इस बारे में कोहली से जब पूछा गया तो उन्होंने कहा कि वह रिकॉर्ड के बारे में कभी सोचते।विराट ने कहा, श्श्मैं रिकॉर्ड के बारे में कभी नहीं सोचता। बहुत सारे लोग मुझसे पूछते हैं कि आप लगातार शतक कैसे लगा लेते हैं और मैं हमेशा कहता है कि मेरा जो लक्ष्य है उसके अंदर शतक आ जाता है। मेरा लक्ष्य टीम के लिए लंबी पारियां खेलना है। हालांकि, अगर मैं पूरी ईमानदारी से कहूं तो यह थोड़ा मुश्किल हो जाता है क्योंकि जैसे ही आप होटल के कमरे से बाहर निकलते हैं, लिफ्ट में मिलने वाले आदमी से लेकर बस ड्राइवर तक, हर कोई यही कहता है कि हमे एक और शतक चाहिए। इन्हीं कारणों से यह हर समय आपके दिमाग में चलता रहता है।भारत के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ अहमदाबाद टेस्ट में शानदार शतक लगाया। उन्होंने 1205 दिन बाद इस फॉर्मेट में शतकीय पारी खेली। कोहली को इस मैच में 186 रन बनाने के लिए मैन ऑफ द मैच अवॉर्ड मिला। दोनों टीमों के बीच यह मुकाबला ड्रॉ पर समाप्त हुआ। इस तरह भारत ने सीरीज को 2–1 से अपने नाम कर लिया। मैच के बाद कोच राहुल द्रविड़ ने कोहली का इंटरव्यू लिया। इस दौरान दोनों के बीच रोचक बातचीत हुई।द्रविड़ ने इंटरव्यू के शुरुआत में तो कोहली के मजे ले लिए। उन्होंने कहा, श्श्मैंने बतौर खिलाड़ी और बतौर शतक विराट कोहली के कई टेस्ट शतक हैं, लेकिन कोच के रूप में पिछले 15–16 महीनों से इस पल का इंतजार था। आखिरकार वह समय आ गया। हमनें विराट का एक और टेस्ट शतक देखा।श्श इसके बाद राहुल द्रविड़ ने कोहली से टेस्ट क्रिकेट में इतने लंबे समय तक शतक नहीं बना पाने की अपनी भावनाओं के बारे में पूछा।द्रविड़ ने कोहली से पूछे कठिन सवालद्रविड़ ने कहा, श्श्मुझे पता है कि आप ऐसे व्यक्ति हैं जो अपने प्रदर्शन पर बहुत गर्व करते हैं। आपको नियमित रूप से शतक लगाने की आदत है। कोविड–19 के कारण बहुत टेस्ट मैच नहीं हुए, लेकिन क्या इतने लंबे सयम तक टेस्ट शतक नहीं बनाना मुश्किल समय था? हम आंकड़ों को लेकर थोड़े जुनूनी हो जाते हैं। इस दौरान मुझे कुछ आपकी पारियां अच्छी लगीं। केप टाउन में 70 रन एक अच्छी पारी थी।

झुग्गी झोपड़ी
सत्वाधिकार, मुद्रक एवं प्रकाशक संजय कुमार यादव द्वारा रमा प्रिंटिंगप्रेस 53/25/1ए, बेली रोड नया कटरा प्रयागराज से मुद्रित रहीमाबाद पोस्ट कटहुला गौसपुर जिला प्रयागराज तहसील सदर से प्रकाशित सम्पादक संजय कुमार यादव
RNINo.: UPHIN/2015/63182
दूरभष : 0532–2618074
मोबाईल : 9918366626
डाक पंजिकृत ए/बी 123/21.23
e-mail: Jhuggijhopari@gmail.com
Website- www.Jhuggijhopari.com

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पीआरबी एक्ट के अंतर्गत उत्तरदाई तथा इन से उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होगा